RNI : CHHHIN/2022/83766 | ■ वर्ष : 03, अंक : 293 ■ गरियाबंद से प्रकाशित ■ मंगलवार, 15 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 3 रुपए | www.gangaprakash.com

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गंगा प्रकाश

संपादक : प्रकाश कुमार यादव

मनोरंजन 07

पुष्पा 2 के बाद फिर साथ आएगी रश्मिका और अल्लू अर्जुन की जोड़ी

आंचलिक 02

नरेंद्र देवांगन ने रचा इतिहास: 9वीं बार गरियाबंद जिला अधिवक्ता संघ की कमान

खेल 06

शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद हारा भारत, इंग्लैंड में पहली बार...

दैनिक समाचार पत्र गंगा प्रकाश को पत्रकारो की आवश्यकता है।
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :- 8878098815 9770269285

संक्षिप्त समाचार

एमपी में बारिश से हाहाकार, 8 साल के मासूम समेत 3 भैंसों की मौत

भोपाल । मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मानव ही नहीं बल्कि पशुओं पर भी इसकी मार देखने को मिली है। देखिए किस जिले का कैसा हाल है लगातार हो रही भारी बारिश के चलते मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश का अंतरराज्यीय बॉर्डर उनाव बालाजी स्थित पहुज नदी पर बना पुल डूब गया। जिसके बाद आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। बता दें कि मौसम विभाग ने चंबल संभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। उनाव के स्थानीय लोगों ने इसे रोमांचक बताया तो किसी ने इसे आफत की बारिश का कहर बताया। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों से इस रस्ते से न जाने की अपील की है। प्रशासन की अनदेखी की वजह से आज बृंदाबन तालाब का पानी बहकर सड़को पर आ गया। जिसमें तालाब की मछलियां भी खेतों और कालोनियों में आ गई। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग भी काफी संख्या में मछली पकड़ते नजर आए। वहीं पानी के तेज बहाव के बावजूद वाहन चालक जान हथेली में लेकर गाडियां चलाते दिखे।

बरसात में उजागर हुई ट्रिपल इंजन सरकार की नाकामी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा हमला करते हुए कहा है कि भ्रष्टाचार और लापरवाही की मार अब जनता की जान पर बन आई है। बरसात के मौसम की शुरुआत के साथ ही नगरों और महानगरों की बदहाल हालत ने भाजपा के विकास के खोखले दावों की पोल खोल दी है।अखिलेश यादव ने कहा कि नालों और नालियों की समय से सफाई नहीं होने से शहरों में जगह-जगह जलभराव हो गया है। सड़कों पर गड्ढे हैं, कूड़े के ढेर लगे हैं और जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं दिख रही। लखनऊ, काशी, गोरखपुर, कानपुर और झांसी जैसे शहरों में भी हालात एक जैसे हैं, जहां वर्षों से भाजपा का नियंत्रण है। ट्रिपल इंजन सरकार की विफलता का परिणाम अब जनता को भुगतना पड़ रहा है।सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ गड्ढे और खोखले प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं।

दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार ट्रैक्टर से टकराई

कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा थाना के बगही कुट्टी के समीप एनएच-28 पर हुए भयानक सडक हादसे मे आन द स्पाट चार लोगो की मृत्यु हो गयी है। जबकि जिन्दगी और मौत से जूझ रहे दो लोगो का इलाज चल रहा है। हादसे मे शिकार लोग अर्टिका कार से झारखंड के देवघर और पडोसी राज्य बिहार के थावे मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। इस दर्दनाक हादसे से इलाके में शोक की लहर है। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के बगही कुटी के पास नेशनल हाईवे पर रविवार को श्रद्धालुओं से भरी अर्टिका कार सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार सभी लोग सिद्धार्थनगर जिले के निवासी बताये जा रहे है।

वधानसभा में पटावरी पदोन्नति में भ्रष्टाचार का मामला गूंजा

सत्तारूढ दल के विधायक राजेश मूणत ने सरकार को घेरा

■ नारेबाजी करते हुए विपक्ष का सदन से वाक आउट...

रायपुर। संवाददाता

पटवारी से राजस्व निरीक्षक बनाए जाने को लेकर हुई विभागीय परीक्षा में गड़बड़ी का मामला आज विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन जमकर गूंजा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के सामने सवालों की झड़ी लगा दी, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग कर डाली। सवालों पर मंत्री की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं आने पर सारे कांग्रेस विधायक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।प्रश्नकाल में भाजपा विधायक राजेश मूणत का सवाल था कि क्या जनवरी 2024 में पटवारी से राजस्व निरीक्षक की विभागीय परीक्षा के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जांच हेतु गठित समिति व्दारा जांच प्रतिवेदन राजस्व विभाग को सौंपा जा चुका है? जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद शिकायत के कुछ बिन्दुओं पर गृह विभाग से जांच कराने के निर्णय पर क्या हुआ एवं इसकी अद्यतन स्थिति क्या है? दोषी लोगों पर कार्रवाई कब तक की जायेगी? इन सवालों पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की तरफ से जवाब आया कि गृह विभाग के पत्र 19 फरवरी 2025 व्दारा प्रशासकीय विभाग पुलिस जॉच अथवा एफ्आईआर कराने हेतु स्वयं सक्षम होने का उल्लेख कर प्रकरण राजस्व विभाग को वापस कर दिया गया। गृह विभाग के उपरोक्त टीप के परिप्रेक्ष्य में राजस्व निरीक्षक विभागीय परीक्षा 2024 के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जॉच ईओडब्ल्यू/एसीबी अंतर्गत तकनीकी विशेषज्ञों से कराये जाने हेतु विभागीय ज्ञापन 4 मार्च 2025 व्दारा सामान्य प्रशासन विभाग को लिखा गया है। जॉच प्रक्रियाधीन होने के कारण दोषी लोगों पर कार्रवाई के संबंध में समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है।राजेश मूणत ने पूछा

कि परीक्षा में कुल कितने परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, नियम प्रक्रिया क्या थी? मंत्री ने कहा कि परीक्षा विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले हुई थी। फरवरी 2024 में परिणाम आया था। परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत हुई, जिसकी जांच कराई गई। जांच में अनियमितता पाई गई। पता चला परीक्षा के समय भाई-भाई आसपास बैठे थे। रिश्तेदार बैठे थे। इस सब के साथ वाट्सअप चैटिंग जांच के दायरे में आई थी। चूंकि मामला इतना गंभीर था कि हमारा विभाग खुद को कहीं पर सक्षम नहीं पा रहा था, इसलिए गृह विभाग को पत्र लिखा गया। गृह विभाग की ओर से जवाब आया कि हम जांच कराने में सक्षम हैं। एफ्आईआर कराएं। इसके बाद प्रकरण ईओडब्ल्यू को जांच हेतु सौंप दिया गया। करीब 40 बिन्दुओं पर जांच चल रही है। हमारी मंशा किसी को बचाने की नहीं है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। जैसे भारतमाला प्रोजेक्ट में दोषियों को नहीं बख्श रहे हैं, वैसे ही इसमें भी नहीं बख्शेंगे।मूणत ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जाने के बाद जब यह मामला सामने आया, आपको मंत्री बने गिने-चुने दिन ही हुए थे। बात यहां तक सामने आई कि एक्ज़ाम के समय साली-जीजा आसपास बैठे हैं। धर्मपत्नी पास बैठी हैं। यानी तीनों आपस में बैठकर उत्तर पुस्तिका लिख रहे हैं। उत्तर पुस्तिका में मोबाइल नंबर तक लिख दिए गए। विभाग के अधिकारियों ने जब इस पर अपनी रिपोर्ट दे दी थी तो यह सब संज्ञान में आने के बाद विभागीय स्तर पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई? ईओडब्ल्यू को यह प्रकरण कब भेजा गया? राजस्व मंत्री ने कहा- गड़बड़ी की बात विभाग ने स्वीकार की है। जो लोग दोषी हैं वहां तक पहुंचने में विभागीय कमेटी सक्षम नहीं है। इसलिए मामले को ईओडब्ल्यू को सौंपा गया। किसी के साथ कहीं कोई सहानुभूति नहीं रखी जा रही है। मूणत ने आरोप लगाया कि जांच कमेटी ने जो भी लिखा उसकी आधी जानकारी ही मंत्री यहां सामने रखे हैं। उन्होंने कहा कि असली रिपोर्ट बोलें तो मैं पटल पर रख देता हूं।

खाद-बीज की किल्लत पर विपक्ष का हंगामा, सदन की कार्यवाही स्थगित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत पहले ही दिन हंगामेदार रही। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने प्रदेशभर में खाद और बीज की भारी कमी का मुद्दा उठाया। इस मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने स्थगन प्रस्ताव लाकर इस पर चर्चा की मांग की। प्रश्नकाल के तत्काल पश्चात शून्य काल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सदन में जोरदार नारेबाजी की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश के किसान खाद की कमी से बेहद परेशान हैं और उन्हें बाजार से महंगे दामों में खाद खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खाद वितरण में पूरी तरह नाकाम रही है। विपक्ष के भारी विरोध के बीच कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सदन में सफाई दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों की वजह से रासायनिक खाद की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

21 जुलाई से शुरू हो रहा है मानसून सत्र

मानसून सत्र में पेश होगा राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक-मांडविया

नई दिल्ली। एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा, जो 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। मांडविया ने यह जानकारी उस समय दी, जब वह नशा मुक्ति के खिलाफ युवा कार्य विभाग के एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने यह भी दोहराया कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भारत में बहुपक्षीय खेल आयोजनों में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा। उन्होंने कहा, विधेयक को आगामी सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। मैं कुछ दिनों में और जानकारी दूंगा। यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। इसके तहत एक नियामक बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसे राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और उन्हें फंडिंग प्रदान करने का अधिकार होगा। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि वह सुशासन से जुड़ी शर्तों का कितना पालन करते हैं। यह बोर्ड यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेल महासंघ उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों का पालन करें। इसके अलावा, इस विधेयक के मसौदे में आचार संहिता आयोग और विवाद निवारण आयोग की स्थापना का भी प्रस्ताव है। ताकि खेलों के संचालन में पारदर्शिता बनी रहे। इस विधेयक पर लंबे समय से बहस चल रही है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इसका विरोध भी किया है, क्योंकि उसका मानना है कि एक नियामक बोर्ड की स्थापना से उसकी राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रमुख निकाय के रूप में स्थिति कमजोर हो सकती है। मांडविया ने दोहराया कि पाकिस्तान और भारत के बीच राजनीतिक संबंधों में तनाव होने के बावजूद भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पाकिस्तान की भागीदारी पर कोई रोक नहीं होगी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के संबंध और भी खराब हो गए हैं।

भारत के इस जिले में कैदी चलाएंगे पेट्रोल पंप, जेल प्रशासन ने शुरु की अनूठी पहल

करनाल। हरियाणा के करनाल जिले में जेल प्रशासन ने कैदियों के सुधार और पुनर्वास के उद्देश्य से नई पहल की शुरुआत की है। जेल विभाग की ओर से एक पेट्रोल पंप खोला गया है, जिसे जेल के कैदी और बंदी चलाएंगे। हरियाणा के जेल महानिदेशक (डीजी) मोहम्मद अकील ने पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। जेल डीजी मोहम्मद अकील ने बताया कि यह पहल कैदियों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने कहा, कैदियों को काम करने का मौका मिलेगा, जिससे उनमें सुधार होगा। काम में व्यस्त रहने से जेल में अनुशासन बना रहता है। और आपसी झगड़े भी नहीं होते। साथ ही उन्हें इस कार्य के बदले मेहनताना भी मिलेगा। पुलिस अधिकारी ने कहा, पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल के साथ आने वाले समय में सीएनजी और इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सावन के पहले सोमवार को परिवार ने की विशेष शिव पूजा

शुभांशु शुक्ला की आईएसएस से वापसी का काउंटडाउन शुरू

लखनऊ। एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के परिवार में चंद्रयान मिशन की सफलता को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल है। शुभांशु 15 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से भारत लौटेंगे। उनके पिता शंभु दयाल शुक्ला, मां आशा शुक्ला और बहन शुचि मिश्रा ने इस उपलब्धि पर सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर शुभांशु की सकुशल वापसी की प्रार्थना की। शंभु दयाल शुक्ला (शुभांशु शुक्ला के पिता) ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कहा, आज सावन का पहला सोमवार था। हमने मंदिर में जाकर भगवान शिव का अभिषेक किया और घर पर भी पूजा की। भोलेनाथ की कृपा से यह मिशन सफल हुआ। हमें पूरा विश्वास है कि उनकी कृपा से शुभांशु सकुशल लौटेंगे। उनके पिता ने बताया कि शुभांशु ने मिशन में दिए गए सभी लक्ष्यों को पूरा किया है। उन्होंने गर्व से कहा, सारे जहां से अच्छा हमारा हिंदुस्तान अब और बेहतर हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। मैं उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं। शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने खुशी जताते हुए कहा, घर में उत्साह का माहौल है। शुभांशु की वापसी की खबर से हम बहुत खुश हैं। मैंने भगवान से उनकी सकुशल वापसी की प्रार्थना की है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हिंदुस्तान पहले से ही अच्छा है, और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह और बेहतर हुआ है। उनके प्रयासों से यह मिशन सफल हुआ। शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा ने कहा, हम उत्साहित और थोड़े नर्वस भी हैं। यह मिशन का आखिरी और महत्वपूर्ण चरण है। स्प्लैशडाउन के बाद हम राहत महसूस करेंगे। उन्होंने बताया कि परिवार ने सावन के पहले सोमवार को मंदिर में पूजा की और भगवान को अब तक की सफलता के लिए धन्यवाद दिया। शुचि ने कहा, शुभांशु खुश थे कि उन्होंने मिशन के सभी लक्ष्य हासिल किए।

अब 29 जुलाई को सुनवाई

ईडी के आरोपपत्र पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा.....

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मामले की सुनवाई 29 जुलाई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी, यंग इंडियन पर नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड

जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों के धोखाधड़ीपूर्ण अधिग्रहण से संबंधित साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आंशिक रूप से जलमग्न दारागंज घाट पर उफनती गंगा नदी में श्रद्धालु पवित्र स्नान करते हुए।

ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी

संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की....

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और जानेमाने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। उनसे ब्रिटिश हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई। वाड्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। 56 वर्षीय वाड्रा सुबह 11 बजे के बाद मध्य दिल्ली स्थित संघीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। उनके साथ केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। रॉबर्ट वाड्रा को एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश यात्रा के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी उनसे तीन अलग-अलग धन शोधन मामलों में पूछताछ कर रही है, जिनमें यह मामला भी शामिल है। अन्य दो मामले भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं से संबंधित हैं। 63 वर्षीय भंडारी 2016 में आयकर विभाग की ओर से दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद लंदन भाग गए थे। हाल ही में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है।इससे पहले पिछले महीने वे ईडी की ओर से समन भेजे जाने के बाद भी पेशी के लिए नहीं आए थे। इसकी वजह उनका विदेश में होना बताया गया था। इससे पहले ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए वाड्रा को अपने दफ्तर बुलाया था। मामला ब्रिटेन के रहने वाले हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है। मामले की जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। वाड्रा से ईडी ने अप्रैल में तीन दिन लगातार पूछताछ की थी। ये पूछताछ हरियाणा में 2008 की एक जमीन डील में कथित गड़बड़ियों से जुड़े एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई थी।

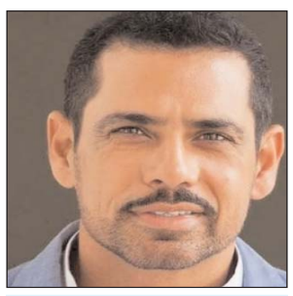

ईडी की चार्जशीट में क्या है दावा?

ईडी ने 2023 में इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि भंडारी ने 2009 में लंदन में एक मकान खरीदा और उसे रॉबर्ट वाड्रा के निर्देशानुसार रिनोवेट कराया। एजेंसी का दावा है कि इस रिनोवेशन के लिए पैसा वाड्रा ने दिया था। रॉबर्ट वाड्रा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनकी लंदन में कोई भी प्रॉपर्टी नहीं है। उन्होंने इन आरोपों लेकर कहा कि उन्हें राजनीतिक मकसद के तहत परेशान किया जा रहा है।

फुटू निकालने जंगल गए आदिवासियों को नक्सलियों ने बनाया निशाना

नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी के विस्फोट की चपेट में आने से तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल...

भोपालपटनम। संवाददाता

सुरक्षा बलों से हारे नक्सली अब निरीह आदिवासियों को निशाना बनाने लगे हैं। तेंदूपत्ता तोडने और फुटू निकालने जंगल गए आदिवासियों को आईईडी के जरिए हताहत करने लगे हैं। सी ही एक घटना बीजापुर जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अंगमपल्ली के आश्रित गांव धनगोल के जंगली पहाड़ी इलाके में रविवार शाम को हुई। यहां नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी के विस्फोट की चपेट में आने से तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब ग्रामीण जंगल में जंगली मशरूम फुटू संग्रहण के लिए गए हुए थे। घायलों में 24 वर्षीय कोरसे संतोष पिता लक्ष्मैया, 26 वर्षीय चिंडेम कन्हैया पिता किस्टैया और 17 वर्षीया कुडेम कविता पिता नगैया शामिल हैं।ग्रामीणों के अनुसार तीनों धनगोल के जंगल में फुटू निकालने गए थे तभी विस्फोट हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह विस्फोट नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के कारण हुआ।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को मद्देड़

स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बीजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। जहां घायलों का इलाज जारी है और सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान जंगलों में नक्सलियों के बिछाए आईईडी ब्लास्ट की घटनाओं और बीजापुर जिले के मद्देड़ इलाके में फुटू खोजने के दौरान हुई इस ताजा घटना ने जाहिर कर दिया है कि अब नक्सली वनोपज इकट्ठा करने वाले लोगों को भी निशाना बना रहे हैं और तेंदूपत्ता, बोड़ा, फुटू, साल बीज, महुआ आदि वनोपजों पर हक जमाकर उनका कारोबार खुद करना चाहते हैं। बस्तर के आदिवासी बरसात के मौसम में जंगलों से फूटू बोड़ा संग्रहित कर उन्हें गांव शहरों में बेचते हैं। इससे वे रोजगार विहीन बरसात के मौसम में घर चलाने के लिए थोड़ी बहुत रकम की व्यवस्था कर लेते हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा लगातार किए जा रहे कड़े प्रहार से नक्सलियों का संख्या बल काफी कम हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन घोटाला: पाम वलाजियो प्रोजेक्ट के बिल्डर पिता-पुत्र पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक सनसनीखेज जमीन फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आजाद चौक थाना पुलिस ने पुरंदर प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के पाम वलाजियो प्रोजेक्ट से जुड़े बिल्डर मुकेश अग्रवाल और उनके पिता सुरेश अग्रवाल के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 34 के तहत एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई चौबे कॉलोनी निवासी प्रकाश की शिकायत पर की गई है। शिकायत के अनुसार, प्रकाश और उनके परिचित की सड्डु इलाके की 60,000 वर्गफीट जमीन को बिना उनकी सहमति के फर्जी विक्रय दस्तावेजों के जरिए आरोपियों ने अपना दिखाया और उसे नगर निगम में पाम वलाजियो प्रोजेक्ट के बदले बंधक रख दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2017 में इस जमीन को जॉइंट वेंचर के तहत डेवलप करने का समझौता हुआ था, जिसमें बदले में मकान, फ्लैट या नकद राशि देने की बात कही गई थी। 8 जून 2018 को इस संबंध में एक इकरारनामा भी हुआ था। नवंबर 2017 से सितंबर 2019 तक आरोपियों ने प्रकाश को करीब 2 करोड़ 70 लाख रुपये की राशि दी थी। हालांकि, 2021 तक जमीन पर कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, जिसके चलते प्रकाश ने 11 मई 2021 को पूरी राशि लौटाकर समझौता मौखिक रूप से रद्द कर दिया था। इसके बावजूद, आरोपियों ने कथित तौर पर 16 सितंबर 2022 को फर्जी विक्रय विलेख तैयार कर उक्त जमीन को पाम वलाजियो प्रोजेक्ट के ईडब्ल्यूएस हिस्से के लिए नगर निगम में बंधक रख दिया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि प्रकाश के साथ कोई वैध विक्रय करार नहीं हुआ था। आजाद चौक थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सभी दस्तावेजों की गहन पड़ताल की जा रही है, और पुलिस अन्य संभावित पीड़ितों की शिकायतों की भी जांच कर रही है। इस घटना ने रायपुर में रियल एस्टेट सेक्टर में फर्जीवाड़े को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

रायपुर। अंबिकापुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। गांधीनगर थाना क्षेत्र के चठिरमा गांव के पास एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब तीन युवक और दो युवतियां कार में सवार होकर अंबिकापुर की ओर आ रहे थे। चठिरमा गांव के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार एक युवक और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। गांधीनगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार में फंसे शवों को बाहर निकाला और घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दुर्घटना की भयावहता साफतौर पर देखी जा सकती है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का प्रमुख कारण माना है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हादसे ने स्थानीय समुदाय में शोक की लहर दौड़ा दी है।

हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर और गैंग के खिलाफएक और एफआईआर दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में एक बार फिर कर्ज के नाम पर जबरन वसूली करने वाले हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर और उसके साथियों के खिलाफ384, 506, 34 भादवि और छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 4 के तहत एक और एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में व्यापारी भोपाल मणि साहू ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपाल मणि साहू, जो मुरुम व गिट्टी सप्लाई का व्यवसाय करता है, ने आरोप लगाया है कि व्यवसाय हेतु पैसे की जरूरत होने पर उसने 14 दिसंबर 2022 को आरोपी रोहित तोमर से 3त्न मासिक ब्याज पर 2 लाख उधार लिए थे। इस दौरान आरोपियों ने उससे कोरे स्टांप पर जबरन हस्ताक्षर कराए और अपने कब्जे में रख लिए। इसके बाद आरोपी रोहित तोमर, दिव्यांश, आकाश, योगेश सिन्हा और अन्य लोगों ने साहू से लगातार व्हाट्सएप कॉल और व्यक्तिगत धमकियों के जरिये जबरन वसूली शुरू कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों ने साहू के घर जाकर मारपीट की धमकियां दीं और कभी-कभी भाटागांव स्थित अपने घर पर भी बुलाकर मानसिक प्रताड़ना दी। व्यापारी ने डर के चलते किस्तों में नगद, फोन पे और गूगल पे के माध्यम से कुल 30,26,200 आरोपियों को दे दिए। पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी रोहित तोमर, दिव्यांश, आकाश, योगेश सिन्हा एवं अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। उल्लेखनीय है कि यह गिरोह पहले से ही दो थानों में कुल सात मामलों में आरोपी है। दिव्यांश सिंह को पूर्व के एक मामले में गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल रायपुर भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस कर रही पतासाजी, मामला गंभीर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। आरोपीगण की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। पुलिस का कहना है कि इस गैंग के खिलाफपहले से दर्ज मामलों और वर्तमान केस को एक साथ जोड़कर कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने के संबंध में शासन ने दिये निर्देश

रायपुर। छग शासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 को गरिमामय एवं प्रेरणादायी ढंग से प्रदेश भर में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासन द्वारा सभी जिलों एवं संस्थानों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। राजधानी रायपुर में मुख्य समारोह स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में सुबह 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। इस परेड में बीएसएफ सीआरपीएफ सीआईएसएफ आईटीबीपी एसएसबी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल नगर सेना एनसीसी तथा बैंड प्लाटून की टुकड़ियां भाग लेंगी। समारोह में मुख्यमंत्री परंपरानुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आम जनता के नाम संदेश देंगे तथा पदक अलंकरण समारोह का आयोजन भी इस अवसर पर होगा। कार्यक्रम के दौरान रंगीन गुब्बारों की उड़ान भी समारोह स्थल की शोभा बढ़ाएगी। जिला मुख्यालयों में शासन द्वारा नामित मंत्रियों द्वारा ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ा जाएगा। परेड की सलामी लेंगे। स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने जनजातीय संग्रहालय का किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति विश्व पटल पर होगी स्थापित:केन्द्रीय मंत्री

- संग्रहालय में 14 गैलरियों में जनजातीय जीवनशैली के विभिन्न अवसरों का है झलकियां
- जनजातीय जीवन शैली की हुबहू प्रस्तुति से हुए प्रभावित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली पर आधारित जनजातीय संग्रहालय का केन्द्रीय जनजातीय राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके ने अवलोकन किया और नवा रायपुर में बनाए गए इस संग्रहालय में आदिवासी जीवन शैली के प्रस्तुतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय के जरिए छत्तीसगढ़ की सांस्कृति विरासत विश्व पटल पर स्थापित होगी। इससे जनजातीय युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति आत्मगौरव का भाव जगेगा। इस अवसर पर आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग मंत्री श्री राम विचार नेताम भी उपस्थित थे। केन्द्रीय जनजातीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातियों के संर्वागीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना में यह प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने संग्रहालय के निकट ही बनाए जा रहे शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय के निर्माण की समीक्षा की। इस संग्रहालय के लिए केन्द्र सरकार ने 45 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की है।

इस संग्रहालय को आगामी 30 सितम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इस दौरान संग्रहालय में प्रयुक्त डिजीटल एवं एआई तकनीक के संबंध में जानकारी दी। बैठक में टीआरटीआई के संचालक श्री जगदीश कुमार सोनकर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संग्रहालय में 14 गैलरियों में जनजातीय जीवनशैली के विभिन्न अवसरों का है झलकियां जनजातीय संग्रहालय में जनजातीय संस्कृति, जीवनशैली और परंपरा को प्रदर्शित करने के लिए 14 गैलरियों का निर्माण किया गया है। संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में जनजातीयों के परंपरागत वाद्ययंत्रों, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, उनमें कृषि की परंपरागत तकनीकें एवं उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई, कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणों व परंपरागत तकनीकों को दर्शाया गया है। संग्रहालय में सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत अबुझमाड़िया में गोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला, जनजातियों में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि प्रदर्शित किए गए हैं।

चुनावी वादा निभाए और संविदा कर्मचारियों को नियमित करें साय सरकार-विधायक.....

- एनएचएम कर्मचारी संघ ने की विधायक से मुलाकात

रायपुर। बस्तर संभाग के बीजापुर से कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि अपने चुनावी वादे के मुताबिक भाजपा सरकार सभी संविदा कर्मचारियों को तत्काल नियमित करे। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने कांग्रेस नेता और बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी को ज्ञापन सौंपा है। संघ के लोगों ने विधायक विक्रम मंडावी को अवगत कराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विगत बीस वर्षों से कार्यरत हैं लेकिन सरकार उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। इससे एनएचएम कर्मचारी अपने अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। संघ के लोगों ने विधायक विक्रम मंडावी को बताया कि 20 वर्षों में कई राज्यों में एनएचएम कर्मियों को ग्रेड पे, समान काम समान वेतन, जॉब सुरक्षा, अनुकंपा, मेडिकल बीमा, चिकित्सा अवकाश जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं किंतु छत्तीसगढ़ प्रदेश में ऐसे सकारात्मक बदलाव आज पर्यन्त नहीं किए गए जिससे कर्मचारियों की सामाजिक आर्थिक दशा बेहतर हो सके। वर्तमान सरकार के चुनावी घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के तहत उक्त समस्याओं के समाधान का वादा भी किया है

लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। वहीं विधायक विक्रम मंडावी ने एनएचएम संघ की मांगों को जायज बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश की सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र मोदी की गारंटी में प्रदेश के सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया था, लेकिन आज तक संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के नाम पर कोई सुनवाई नही हो रही है। विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा सरकार एनएचएम कर्मचारियों सहित प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को अपने चुनावी घोषणा पत्र मोदी की गारंटी में किए गए वादे के अनुसार नियमित करे। विक्रम मंडावी ने यह भी कहा कि प्रदेश के संविदा कर्मचारियों की मांगों को लेकर आने वाले समय में धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा। विधायक विक्रम मंडावी को एनएचएम कर्मचारी संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में संविलियन एवं स्थायीकरण, पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना व पृथक पब्लिक हेल्थ कैडर का गठन कर क्लीनिकल एवं मैनेजमेंट कैडर के एनएचएम कर्मचारियों को इसमें समायोजित करने, ग्रेड पे निर्धारण करने।

धरती आबा अभियान से आदिवासी परिवारों को मिल रही योजनाओं की सौगात

- आधार, आयुष्मान, राशन कार्ड, बीमा और स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ, पोषण वाटिकाएं भी बन रही

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश में चलाए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति ग्रामों में शासन की योजनाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस कड़ी में कोरिया जिले के सोनहत और बैकुंठपुर विकासखंड के इन गांवों में हजारों पात्र परिवारों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, श्रम कार्ड, जॉब कार्ड और बीमा योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। जनपद पंचायत सोनहत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि विकासखंड में 2,626 लक्षित परिवारों और 9,320 जनसंख्या के लिए शासन की महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जरूरी योजनाओं से फायदा पहुंचाने के लिए आवेदन लिया गया है, मनरेगा जॉब कार्ड, जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पेंशन योजना के तहत 85 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 28 स्वीकृत हुए, 7 अपात्र पाए गए और शेष प्रक्रियाधीन हैं। साथ ही, 111 जाति प्रमाण पत्र और 100 निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को भी ग्रामीणों तक पहुँचाया जा रहा है। टीबी एवं सिकलसेल की जांच की जा रही है और जरूरतमंदों को उपचार से जोड़ा जा रहा है साथ ही आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क जाँच उपरांत दवाई वितरण भी किया जा रहा है। बैकुंठपुर एसडीएम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड में अब तक 23 क्षय रोग के सक्रिय मरीज चिन्हित किए गए हैं। वहीं, 391 जाति प्रमाण पत्र, 361 निवास प्रमाण पत्र और 269 राशन कार्ड बनाए गए हैं। पोषण सुरक्षा की दिशा में 2,837 पोषण वाटिकाएं भी तैयार की गई हैं। साथ ही, मिशन इंद्रधनुष के अंतर्गत टीकाकरण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। अभियान की प्रगति की ऑनलाइन निगरानी के लिए धरती आबा पोर्टल बनाया गया है। अभियान का उद्देश्य दूरस्थ आदिवासी अंचलों के पात्र परिवारों को सीधे शासन की योजनाओं से जोड़ना है, ताकि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

बकतरा को पशुपालन हब के रूप में करें विकसित-कलेक्टर

- नेशनल गोट-डे के अवसर पर आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

नेशनल गोट-डे के अवसर पर आज आरंग विकासखंड में ग्राम बकतरा में आयोजित कार्याशाला में क कलेक्टर डॉ गौरव सिंह शामिल हुए। यह कार्यशाला बकरी पालक किसानों पशु सखियों का तकनीकी सलाह प्रदान करने के लिए आयोजित की गई थी। इसका आयोजन दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय और केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान द्वारा पशुधन विकास विभाग के सहयोग से आयोजन किया गया। कलेक्टर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम बकतरा को पशु पालन के क्षेत्र में हब के रूप में विकसित किया जा सकता है। जिससे यहां गाय पालन, बकरी पालन तथा अन्य पशु-पशुओं के पालन में अच्छी संभावनाएं उभरें। यहीं नही ऐसा उत्पादन हो कि अन्य जगहों से व्यापारी यहां पर पशुओं की खरीदी करें और पशु उत्पादन से अच्छी आय है। उन्होंने पशु सखियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इनका योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका है। कृत्रिम गर्भाधान की आधुनिक तकनीक से जन्मी गाय की बछियां और भैंस के बच्चे पडिंया का अवलोकन कर जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन, पशुधन विभाग के संयुक्त संचालक डॉ शंकर लाल उइके, कामधेनू विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री केसी रामटेके सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी, स्कूल और धान संग्रहण केंद्रों का लिया जायजा

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज आरंग ब्लॉक का सघन निरीक्षण करते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय विद्यालयों और धान संग्रहण केंद्रों का दौरा किया। कलेक्टर डॉ सिंह ने सर्वप्रथम आरंग स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 और 2 पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं, पोषण आहार और अन्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की और आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात डॉ. सिंह ग्राम बकतरा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला पहुंचे। वहां उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत किया तथा शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सड़क और पुल मरम्मत के कार्यों पर जताई नाराजगी

दिसम्बर माह तक सभी सड़कों को करें गड्ढामुक्त-उपमुख्यमंत्री अरुण साव

- कोताही बर्दाश्त नहीं, शासन के निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई'
- चालू वित्तीय वर्ष के प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र डीपीआर भेजने के दिए निर्देश, लोक निर्माण विभाग इस साल करेगा आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बरसात में सड़कों और पुल-पुलियों की स्थिति तथा उनकी मरम्मत के लिए किए जा रहे कार्यों समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी के तहत सड़कों की मरम्मत की भी जानकारी ली। बैठक में वर्षा ऋतु में अतिवृष्टि से मार्गों को अवरुद्ध होने से बचाने तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने निगरानी एवं आवश्यक उपायों की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी, संयुक्त सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव और सभी मुख्य अभियंता भी निर्माण भवन से बैठक में शामिल हुए। सभी संभागों और जिलों से अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंता बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में सभी मैदानी

अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदेश की अवहेलना करने वालों पर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, नियमानुसार उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्री साव ने राज्य में सड़कों और पुल-पुलियों के संधारण एवं मरम्मत के कार्यों पर नाराजगी जताते हुए सभी सड़कों व पुल-पुलियों को आगामी दिसम्बर माह तक गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों व पुल-पुलियों की नियमित निगरानी करते हुए यथाजरूरत इनकी तत्काल मरम्मत करने को कहा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ मरम्मत पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र डीपीआर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग इस साल आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा पर किसी भी हालत में समझौता न करें। सभी काम निर्धारित मानकों के अनुरूप करना सुनिश्चित करें। निविदा की शर्तों के अनुसार ठेकेदारों से निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण काम करवाएं। एक-एक कार्यों पर नजर रखें और प्रगति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण के लिए भू-अर्जन के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा। श्री साव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को प्रशासनिक व तकनीकी दक्षता बढ़ाने तथा कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास और निर्माण के कार्यों के लिए राशि की कोई कमी नहीं है। आप जितना बजट मांगेंगे, शासन उतनी राशि देगी। उन्होंने एक माह के भीतर राज्य के सभी पुलों का निरीक्षण कर मरम्मत और रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। श्री साव ने मैदानी अधिकारियों को अपने जिला प्रशासन के सहयोग से पुलों के आसपास अवैध खनिज उत्खनन पर रोक के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

नरेंद्र देवांगन ने रचा इतिहास : 9वीं बार गरियाबंद जिला अधिवक्ता संघ की कमान संभाली, 18 वर्षों का अटूट प्रभाव

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। गरियाबंद न्यायिक परिसर आज सोमवार को ऐतिहासिक गवाह बना, जब वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र देवांगन ने जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद पर लगातार 9वीं बार विजय प्राप्त कर नया कीर्तिमान रच दिया। 18 वर्षों से जारी उनके नेतृत्व का यह ताजा अध्याय न केवल उनके प्रति अधिवक्ताओं के विश्वास को दर्शाता है, बल्कि संघ की कार्यदक्षता का भी परिचायक है।

कड़ा मुकाबला, निर्णायक जीत- इस बार चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए देवांगन का मुकाबला वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदयाल साहू से था। कुल 57 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, जिसमें नरेंद्र देवांगन को 33 वोट, जबकि शिवदयाल साहू को 24 वोट प्राप्त हुए। मतगणना के दौरान रोमांच चरम पर था। दो बार पुनर्मतगणना भी कराई गई, लेकिन अंतिम परिणाम में देवांगन ने 9 मतों के अंतर से निर्णायक जीत दर्ज की।

यह जीत आपकी श्रद्धा का परिणाम है- अपनी जीत पर अध्यक्ष देवांगन ने कहा ङ्क यह पद, यह सम्मान, यह शक्ति ङ्क सब आप सभी अधिवक्ताओं की अटूट श्रद्धा और विश्वास का ही परिणाम है। मेरा संकल्प है कि 18 वर्षों की मेरी सेवा का लाभ आने वाले समय में हर अधिवक्ता को मिले और हमारा संघ न्यायिक क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक बने।

निर्वाचन अधिकारियों ने निभाई अहम भूमिका- इस चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता बी. आर. देवांगन तथा हरीश साहू की अहम भूमिका रही। दोनों अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए निरंतर मेहनत की, जिसके लिए अधिवक्ताओं ने उनका आभार व्यक्त किया।

अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा- अध्यक्ष के साथ अन्य पदों पर भी चुनाव हुए, जिनमें कुछ निर्विरोध नियुक्तियाँ रहीं:

उपाध्यक्ष: प्रशांत मानिकपुरी (निर्वाचित)
सचिव: प्रदीप लम्बे (प्रतिस्पर्धात्मक)
कोषाध्यक्ष: हेमराज दाऊ (प्रतिस्पर्धात्मक)
सहसचिव: रमेश्वर निर्मलकर (निर्विरोध)
देवभोग उपाध्यक्ष: घनश्याम पात्र (निर्विरोध)

सहसचिव और देवभोग उपाध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य ने नामांकन नहीं किया, जिससे इनका निर्वाचन निर्विरोध हुआ। सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए मुकाबला रोचक रहा, जिसमें युवा अधिवक्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मतदान का माहौल: उत्साह और गहमागहमी- मतदान और मतगणना के दौरान जिला न्यायालय परिसर पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा दिखा। दोनों पक्षों के समर्थकों ने अपने उम्मीदवार के लिए पूरा जोर लगाया। परिणाम आने के बाद एएसोसिएशन हॉल में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

आने वाला एजेंडा: ष्ट्रस्थ्व, कार्यशालाएँ, महिला सशक्तिकरण- अपनी प्राथमिकताओं पर बोलते हुए देवांगन ने कहा कि आगामी वर्ष में:

Continuing Legal Education (CLE) के तहत नये कानूनों और न्यायिक प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों के अधिवक्ताओं के लिए विशेष कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी।

महिला अधिवक्ताओं के सशक्तिकरण के लिए mentorship कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

पूर्व अधिवक्ताओं का सम्मान समारोह भी संघ की प्राथमिकता में रहेगा।

उन्होंने जोर देकर कहा ङ्क हमारा लक्ष्य है कि गरियाबंद का अधिवक्ता संघ सिर्फ़ संख्या में बड़ा न रहे, बल्कि कार्यक्षेत्र, प्रभाव और न्यायिक सुधार के मानकों में भी अग्रणी भूमिका निभाए।

न्यायिक fraternity में बनी चर्चा- देवांगन की यह 9वीं जीत पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां उनके समर्थक इसे अनुभव और नेतृत्व की जीत मानते हैं, वहीं कुछ युवा अधिवक्ता इसे भविष्य के लिए चुनौती भी मान रहे हैं। बावजूद इसके, लगातार 18 वर्षों तक शीर्ष नेतृत्व संभालना गरियाबंद न्यायिक इतिहास की ऐतिहासिक घटना है, जिसने संघ की स्थिरता और संगठनात्मक शक्ति को मजबूत किया है।

यह चुनाव परिणाम बताता है कि नेतृत्व, सेवा और निरंतर विश्वास का कोई विकल्प नहीं होता। नरेंद्र देवांगन की यह ऐतिहासिक जीत न केवल अधिवक्ताओं के लिए, बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र के लिए प्रेरक है, जो न्याय को सिर्फ़ पेशा नहीं बल्कि समाज सेवा और कर्तव्य मानते हैं।

छुरा नगर पंचायत में स्ट्रीट लाइट पोल घोटाला पहली बारिश ने खोल दी ठेकेदार की पोल

गिरा पोल बोला ङ्क मुझे मजबूत खड़ा नहीं किया गया

छुरा (गंगा प्रकाश)। छुरा नगर पंचायत में अधोसंरचना मद से कराए जा रहे कार्यों की असलियत पहली ही बारिश में उजागर हो गई है। नगर पंचायत की ओर से चारों दिशाओं में सीमावर्ती क्षेत्रों तक स्ट्रीट लाइट पोल बिछाने का कार्य लगभग 5-6 माह पूर्व कराया गया था। ठेकेदार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर यह कार्य कराया गया, जिसका उद्देश्य था कि पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में रात्रि में रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। लेकिन यह कार्य केवल कागजों और फोटो खिंचवाने तक ही सीमित रह गया।

बरसात की पहली बारिश में ही पोल धराशायी- तहसील कार्यालय के ठीक पास लगे पोल के गिर जाने से नगरवासियों में भय और आक्रोश दोनों है। गिरी हुई पोल खुद गवाही दे रही है कि इसे खड़ा करने में कितनी घोर लापरवाही बरती गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पोल लगाने के लिए खोदे गए गड्ढे में केवल ऊपरी हिस्से में गिट्टी, रेत और सीमेंट का मिश्रण डाला गया। अंदर की परत काली मिट्टी और उखड़ी हुई ईंटों से भरी थी। मजबूती का कोई इंतजाम नहीं था, इसी कारण पहली बारिश ने ही पोल को गिरा दिया।

'गिरा पोल चीख चीख कर कह रहा है, मुझे मजबूती नहीं दी गई'- लोग तंज कस रहे हैं कि यह पोल आज नगर पंचायत और ठेकेदार के भ्रष्टाचार की कहानी खुद बयां कर रहा है। जिस पोल को 10-15 साल तक रोशनी देनी थी, वह पहली बारिश में ही गिर गया। इससे बड़ा मजाक और क्या होगा जनता के पैसों के साथ, ङ्क यह कहना है तहसील के पास दुकान चलाने वाले का।

हादसे की आशंका, प्रशासन बेखबर- गनीमत यह रही कि पोल गिरने के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। तहसील और बस स्टैंड क्षेत्र में लोगों की आवाजाही दिनभर बनी रहती है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं रोज इसी रास्ते से गुजरते हैं। अगर यह पोल उन पर गिर जाता तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता? ङ्क नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर वासी ने कहा।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पंचायत में इस तरह के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की जांच कभी नहीं कराई जाती। ठेकेदार मनमानी करते हैं, इंजीनियर और अधिकारी कागजों पर साइन कर देते हैं। कोई देखने वाला नहीं है। जब पोल गिरा, तब पता चला कि इसे खड़ा करने के नाम पर केवल लीपापोती की गई थी।

प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में- इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर पंचायत प्रशासन इस कार्य की निगरानी क्यों नहीं कर पाया। क्या अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार ने गुणवत्ता से समझौता किया? या फिर कागजी प्रक्रिया पूरी कर अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहे? जनता की मांग है कि गिरा हुआ पोल तो हटा दिया जाएगा, लेकिन जो दर्जनों पोल उसी तरीके से लगाए गए हैं, क्या वे सुरक्षित हैं? कल कोई और पोल गिर गया और जान-माल की क्षति हो गई, तब प्रशासन कौन सा बहाना बनाएगा, ङ्क यह सवाल हर नागरिक के मन में है।

'काम पूरा होते ही भुगतान कर दिया गया, अब कौन देखे?' ङ्क अधिकारी मौन- इस पूरे प्रकरण पर नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि काम पूरा होते ही भुगतान कर दिया गया था। क्वालिटी टेस्ट की कोई रिपोर्ट मेरे पास नहीं है।

लोगों की मांग ङ्क 'जांच हो, दोषियों पर कार्रवाई हो'- नगरवासियों ने कलेक्टर गरियाबंद और एसडीएम छुरा से मांग करने की बात कह रही है कि पूरे पोल बिछाई कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए। यदि ठेकेदार द्वारा लापरवाही की पुष्टि हो, तो उसका भुगतान रोका जाए और उस पर कार्रवाई की जाए।- जनता का पैसा है, ठेकेदार की बपौती नहीं। अगर समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं आम होंगी और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

प्रदेश में कहीं भी खाद-बीज की कमी नहीं, कांग्रेस किसानों को गुमराह कर रही है - राजिम विधायक रोहित साहू का बड़ा हमला

गरियाबंद/फिंगेश्वर (गंगा प्रकाश)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में भाग लेने रवाना होने से पहले राजिम विधायक रोहित साहू ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज किसानों को खाद-बीज नहीं मिलने की बातें कहकर सफेद झूठ बोल रहे हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ किसानों को बरगलाना और प्रदेश में अराजकता फैलाना है। उन्होंने कांग्रेस के इस रवैये को 'अघोषित एजेंडा' बताया।

विधायक रोहित साहू ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश के किसी भी किसान को खाद-बीज के लिए परेशान न होना पड़े। कांग्रेस किसानों के बीच भय और भ्रम का माहौल पैदा कर रही है, ताकि वे अपनी राजनीतिक रोटियां सेक सकें। लेकिन उनकी यह मंशा सफल नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता झूठ बोलने की आदत से मजबूर हैं। उन्होंने दावा किया कि यूरिया और डीएपी को लेकर कांग्रेस मिथ्या प्रचार कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि प्रदेशभर में नैनो यूरिया, एनपीके, सुपर फास्फेट और ग्रोमोर जैसे उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

6 लाख क्विंटल बीज और नगदी ऋण का वितरण- विधायक साहू ने बताया कि किसानों को अब तक 6 लाख क्विंटल से अधिक प्रमाणित बीज वितरित किया जा चुका है और मांग के अनुसार नगदी कृषि ऋण भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सबका लाभ उठाकर किसान तेजी से कृषि कार्य में जुट गए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर किसानों की चिंता करने के बजाय उनके बीच अफरा-तफरी फैलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस चाहती है कि किसानों में आशंका और दहशत फैले, ताकि वे इस स्थिति का फायदा उठाकर अराजकता फैलाएँ। अपने शासनकाल में कांग्रेस ने किसानों का सुकून छीन लिया था। अब सत्ता से बेदखल होने के बाद भी वे किसानों को चैन से खेती करते नहीं देख पा रहे हैं।

भूपेश सरकार पर गंभीर आरोप- विधायक रोहित साहू ने पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा, - कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को याद रखना चाहिए कि उनकी सरकार ने किसानों को कितना छला। दो साल का बोनस नहीं

दिया, धान का पैसा चार-चार किश्तों में रुला-रुलाकर किसानों को दिया। बारदाने की भारी कमी रही। धान खरीदी समय पर नहीं हुई। रकबा कटौती, धान जली, नकली कीटनाशक के कारण फसल खराब होने पर सैकड़ों किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए। उन्होंने कहा कि किसानों की हालत को कांग्रेस ने बदहाल कर दिया था, लेकिन अब भाजपा सरकार उनकी समृद्धि के लिए संकल्पित है। - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को उचित समर्थन मूल्य, फसल बीमा योजना और किसान सम्मान निधि दे रहे हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि के द्वार खुले हैं।

भाजपा सरकार ने निभाया वादा- विधायक साहू ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आते ही वादा निभाते हुए 25 दिसंबर को दो साल का बकाया बोनस दिया। उन्होंने कहा, - प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीद रही है और इसकी राशि एकमुश्त किसानों के खाते में जमा कर रही है। कांग्रेस शासनकाल में किसानों को चार-चार किस्तों में पैसा मिलता था और वे परेशान रहते थे। भाजपा सरकार ने किसानों को राहत दी है।

कांग्रेस अपनी बदनीयती में कभी सफल नहीं होगी- अपने बयान के अंत में विधायक रोहित साहू ने कहा कि कांग्रेस को किसानों के भले की चिंता नहीं है। - कांग्रेस बेवजह किसानों को बहकाना बंद करे। भाजपा सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। कांग्रेस की यह बदनीयती कभी सफल नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है, जबकि कांग्रेस का मकसद किसानों को भ्रमित और भयभीत कर राजनीति चमकाना है।

धमतरी पुलिस की त्वरित कार्यवाही, मगरलोड थाना क्षेत्र में 06 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

धमतरी (गंगा प्रकाश)। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मगरलोड पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। ग्राम जामली स्थित गौठान के पास 06 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि जामली गांव में राजकुमार ध्रुव नामक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना मगरलोड की टीम ने मौके पर दबिश दी। आरोपी राजकुमार ध्रुव पिता तिहारू राम ध्रुव, उम्र 35 वर्ष, निवासी जामली, के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1800 रुपये आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ थाना मगरलोड में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया है। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र साहू, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र चंद्राकर, आरक्षक अजय गिरी एवं महिला आरक्षक त्रिवेणी साहू की सराहनीय भूमिका रही।

बैंक सखी बनी आत्मनिर्भरता की प्रेरणा, गाँव-गाँव पहुँचा रही बैंकिंग सेवा

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम चरईडाड़ निवासी जीनत परवीन, वर्ष 2019 से बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। जीनत परवीन बताती हैं कि योजना से जुड़ने से पहले वे एक साधारण गृहिणी थीं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत जब उन्हें बैंक सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, तो उन्होंने इसे पूरी लगन और निष्ठा से अपनाया। आज वे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से जुड़ी बैंकिंग सेवाएं अपने गाँव और आसपास के ग्रामीणों तक पहुँचा रही हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को खाता खोलने, पैसा जमा-निकासी, आधार लिंक, सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाओं में सहायता प्रदान कर रही हैं। उनकी मासिक बैंकिंग लेनदेन की राशि 35 से 40 लाख तक पहुँचती है, जिससे उन्हें नियमित रूप से अच्छा कमीशन प्राप्त होता है। यह सेवा न केवल उनके लिए रोज़गार का साधन बनी, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामाजिक पहचान का माध्यम भी बनी है। उन्होंने बताया कि इस आमदनी से उन्होंने अपने कई सपने पूरे किए। वर्ष 2022 में उन्होंने अपने लिए एक स्कूटी भी खरीदी, जिससे अब वह आसानी से क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रही हैं। उनके अनुसार बैंक सखी बनने के बाद जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है और अब वे अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

आकांक्षी ब्लाक के पैरामीटर में प्रगति लाने के दिये निर्देश

जीवन में बदलाव और जीवन के बचाव के लिए जागरूकता का होना आवश्यक : महामहिम राज्यपाल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री रामेन डेका ने कोरबा जिले में आकांक्षी ब्लॉक कोरबा और पोड़ी उपरोड़ा के विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आकांक्षी ब्लॉक के इंडिकेटर्स में निर्धारित बिंदुओं पर चर्चा की और स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य पैरामीटर्स में वृद्धि लाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने योजनाओं के विषय में गाँव के लोगों को जागरूक करते हुए उन्हे लाभान्वित करने, उनके जीवन में बदलाव लाने, जो कार्य किया जा रहा है उसे और बेहतर करते हुए कार्य करने, विकास कार्यों के लिए उपलब्ध राशि का सदुपयोग करने, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी अच्छे कार्यों में भागीदार बनाने के निर्देश देते हुए अपने गाँव, जिला,राज्य और देश के विकास के लिए कार्य करने कहा। उन्होंने कोरबा जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात को बेहतर करने के लिये जुर्माना ही विकल्प नहीं है। लोगों का जीवन अनमोल है और जीवन की रक्षा के लिए जागरूकता भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह जागरूकता का ही परिणाम है कि लोग हाथों की अच्छे से सफाई और शौचालय का उपयोग करते हैं। राज्यपाल ने एसपी को यातायात जागरूकता हेतु कैंप लगाने के भी निर्देष दिए। आकांक्षी ब्लॉक कोरबा और पोड़ी उपरोड़ा के अधिकारियों की बैठक लेकर राज्यपाल श्री डेका ने अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की और प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स में सेचुरेशन के निर्देश दिए। राज्यपाल ने स्वास्थ्य अंतर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, आयुष्मान के माध्यम से उपचार, टीबी, हाइपरटेंशन, डाइबिटीज के मरीजों की पहचान करते हुए उनका समय पर उपचार और इसके रोकथाम के लिए जागरूकता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित क्षेत्रों के बच्चों को समय पर पूरक पोषण आहार प्रदान करते हुए उन्हें सुपोषित बनाने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री डेका ने शाला त्यागी (ड्राप आउट) बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, बोर्ड परीक्षाफल में सुधार करने और 60 प्रतिषत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यावरण और जलसंरक्षण की दिशा में कदम उठाने के निर्देश देते हुए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के निर्माण को बढ़ावा देने, मनरेगा अन्तर्गत निर्मित अमृत सरोवर, डबरी एवं तालाबो में जल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मानसून से पहले और मानसून के बाद जल भराव की स्थिति का आकलन करते हुए ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के निर्देष दिये। राज्यपाल श्री डेका ने गांव में खेलकूद को बढ़ावा देने, सामाजिक कार्यक्रमों को व्यवस्थित रूप में संचालित करने, अध्ययन का माहौल विकसित करने जिम, सामुदायिक भवन, लाइब्रेरी की स्थापना पर भी जोर देने के निर्देष दिये। उन्होंने स्कूल, छात्रावास, अस्पताल तक पहुंच मार्ग, पीएम आवास योजना अन्तर्गत राषि प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को आवास पूर्ण कराने प्रोत्साहित करने, स्वसहायता समूह की सदस्यों को लखपति दीदी बनाने, ग्रामीणों को पषु पालन से जोड़ते हुए उनकी आजीविका की दिषा में कार्य करने के भी निर्देष दिये। राज्यपाल ने भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित फ्लैगषिप योजनाओं में प्रगति लाने और योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिष्चित करते हुए जरूरतमंद हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देष दिये। राज्यपाल श्री डेका ने पोंड़ीउपरोड़ा क्षेत्र में भारत नेट और पीएम आवास योजना के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देष देते हुए क्षेत्र के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को बढ़ावा देने की दिषा में कार्य करें।

संपादकीय

व्यवस्था की नाकामी

बिहार के पूर्णिया में तंत्र-मंत्र के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया। यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था के लिए जितनी चिंताजनक है, उतनी की शर्मनाक है शिक्षा व्यवस्था के लिए। जब भारत स्पेस में कदम रख संभावनाओं के नए दरवाजे खोल रहा है, तब इस तरह की वारदात बताती हैं कि समाज का एक तबका कितने गहरे अंधविश्वास में डूबा हुआ है। पीड़ित परिवार की एक महिला झाड़-फूंक करती थी। जब कुछ दिनों पहले गांव के एक बच्चे की मौत बीमारी के बाद हुई, तो लोगों का शक उस महिला और उसके परिवार पर गया। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पहले भी इस गांव में कुछ लोगों की जान बीमारी से गई थी। लेकिन, लोगों को लगा कि इन सबके पीछे वही पीड़ित परिवार है। पहले पंचायत हुई और फिर भीड़ ने नृशंसता दिखाते हुए वारदात को अंजाम दिया। यह स्थिति तब है, जब राज्य में लॉ एंड ऑर्डर बड़ा मुद्दा बना हुआ है - पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या के बाद से सरकार अपनी छवि बचाने की कोशिश में है। पूर्णिया बिहार के सबसे पिछड़े जिलों में आता है। घटना जिस टेटगामा गांव में हुई, वह आदिवासियों का है। यहां के लोग अगर आज भी झाड़-फूंक के चक्करों में फंसे हुए हैं और जादू-टोने पर भरोसा करते हैं, तो इसके पीछे पिछड़ापन और अशिक्षा दोनों है। केंद्र की स्कूल एजुकेशन रिपोर्ट यूडीआईएसई प्लस से पता चलता है कि आधुनिक शिक्षा को छोड़ दीजिए, बेसिक सुविधाओं के मामले में भी बिहार के स्कूल बाकी देश से बहुत पीछे हैं। राज्य के केवल 19.6 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, जबकि महज 12.1प्रतिशत स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम। देश में ड्रॉपआउट यानी बच्चों के स्कूली पढ़ाई छोड़ने की दर सबसे ज्यादा बिहार में है, 9-10वीं में 25प्रतिशत से भी ज्यादा। ढाई हजार से अधिक स्कूल केवल एक टीचर के भरोसे चल रहे हैं। जादू-टोने का लोगों के जीवन में दखल इसलिए भी है क्योंकि स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार है। पिछले साल आई ष्ट्रत्त की रिपोर्ट बताती है कि पूर्णिया के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की 72 प्रतिशत कमी है। वैसे, पूरे बिहार में एक डॉक्टर के भरोसे 2,148 मरीज हैं। स्वास्थ्य विभागों में 49 प्रतिशत पद खाली हैं। ऐसे में पूर्णिया की घटना पूरे सिस्टम की नाकामी है और इसकी जिम्मेदारी सभी को लेनी होगी।

पाकिस्तान के साथ-साथ चीन के मोर्चे पर भी भारत को चुनौती

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता ने दुनिया को यह साफ संदेश दिया है कि सीमा पार से आतंकवाद को अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान भी अब दबी जुबान में यह स्वीकार कर रहा है कि चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लक्षित हमलों से उसे नुकसान झेलना पड़ा है। वह भी ऐसी स्थिति में जब चीन और तुर्किये न केवल कूटनीतिक, बल्कि तकनीकी और हथियारों की आपूर्ति में भी पाकिस्तान का सहयोग कर रहे थे। इस संघर्ष में चीन और तुर्किये की भूमिका पहले भी उजागर हो चुकी है, लेकिन अब भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया है कि चीन भारतीय सैन्य तैनाती की पाकिस्तान को सीधी जानकारी दे रहा था।यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान के चेहरे का इस्तेमाल कर इस संघर्ष को अपने हथियारों के परीक्षण की प्रयोगशाला की तरह लिया। हालांकि, भारतीय सैन्य बलों की जवाबी कार्रवाई ने चीन के इस परीक्षण के नतीजों की सच्चाई भी सबके सामने ला दी है। चीनी हथियारों के हर वार को नाकाम कर भारत ने यह साबित कर दिया है कि उसके सुरक्षा कवच को भेदना इतना आसान नहीं है। मगर, पाकिस्तान को चीन और तुर्किये का साथ मिलने से यह बात भी साफ हो गई है कि भविष्य में भारत के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी, जिनसे निपटने के लिए कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत है।भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान और चीन की दोस्ती भारत की वजह से है। दरअसल, भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और चीन भविष्य की संभावनाओं को लेकर इससे चिंतित है। इसलिए वह कूटनीतिक तरीके से पाकिस्तान को अपने पाले में बनाए रखना चाहता है। संकट के दौरान पाकिस्तान की मदद करने से भी वह पीछे नहीं हटता है। इसके पीछे चीन के अपने निजी स्वार्थ निहित हैं।उधर, तुर्किये भी पाकिस्तान का मददगार बना हुआ है, लेकिन भारत को सीधे तौर पर तुर्किये से कोई खतरा नहीं है। चीन से चुनौती इसलिए है, क्योंकि पाकिस्तान की तरह उसके साथ भी भारत की सीमा लगती है। भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) विभाजित करती है और चीन यहां पर घुसपैठ की नाकाम कोशिश करता रहता है।

सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती पहुंच

(जगत प्रकाश नड्डा)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

पिछले ग्यारह वर्षों में भारत की स्वास्थ्य-व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। यह परिवर्तन मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, अधिक फंडिंग और सभी को सस्ती, सुलभ, समान और अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने के सरकार के संकल्प के कारण संभव हो पाया है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसमें हर नागरिक की भलाई को प्राथमिकता दी गई है।

2014 तक भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिनमें आधारभूत संरचना की कमी, प्रशिक्षित मानव संसाधनों की उपलब्धता में अंतर, दवाइयों व जांच सेवाओं की सीमित पहुंच और सेवा की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। आज समग्र देखभाल-रोकथाम, प्रोत्साहन, उपचार, पुनर्वास और गंभीर बीमारियों की देखभाल- की अवधारणा के तहत, स्वास्थ्य क्षेत्र की तस्वीर पूरी बदल चुकी है। नवाचारी कार्यक्रम, रणनीतिक निवेश व जन-केंद्रित दृष्टिकोण इस परिवर्तन की पहचान रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस क्रांति की आधारशिला रहा है, जिसने स्वास्थ्य-तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने; बीमारियों से लड़ने और सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने में सहायता की। सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में, 1.77 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के और करीब पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्रों पर अब तक 427.57 करोड़ पेशेंट विजिट, 5.5 करोड़ वेलनेस सेशन और 36.64 करोड़ टेली-कंसल्टेशन संपन्न हो चुके हैं। ई-संजीवनी और टेली-मानस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने दूर-दराज के लोगों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ दिया है।

एनएचएम के तहत लक्षित प्रयासों की वजह से मातृ और शिशु स्वास्थ्य सूचकों में काफ़ी सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 48 फीसदी की वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी है। बच्चों के स्वास्थ्य में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। शिशु मृत्यु दर में 73 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह कमी 58 फीसदी रही। गैर-संचारी रोगों की बढ़ती समस्या को देखते हुए अब सिर्फ इलाज नहीं, रोकथाम पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की जांच उपलब्ध हैं। मई 2025 तक, लगभग 28 करोड़ लोगों की उच्च रक्तचाप, 27 करोड़ लोगों की डायबिटीज और 27 करोड़ लोगों की ओरल कैंसर के लिए स्क्रीनिंग हुई है। बीमारियों की जल्द जांच व समय पर इलाज से अब स्वास्थ्य परिणाम बेहतर हुए हैं और रोगों का भार भी घटा है।

टीकाकरण कार्यक्रम भी लगातार मजबूत हो रहा है। 2014 के बाद से, छह नए टीके को टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत टीकाकरण का दायरा बढ़ा है। इसके अंतर्गत 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण हुआ है। एक अहम कदम के रूप में, यू-विन पोर्टल के जरिये टीकाकरण सेवाओं को डिजिटल किया गया है। हम 2026 तक खसरा-रूबेला का उन्मूलन करने के लिए भी तैयार हैं। रोग-उन्मूलन में भी भारत ने बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। 2014 में, भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया। वहीं, 2015 में मातृ और नवजात टेटनस एवं 2024 में ट्रेकोमा का उन्मूलन भी हो चुका है। 2015 से 2023 के बीच, मलेरिया के मामलों और उससे होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। हमने सतत विकास लक्ष्यों के तहत निर्धारित वैश्विक 2030 लक्ष्य से पहले ही वर्ष 2023 में कालजार के उन्मूलन के लिए तय मानकों को प्राप्त कर लिया है। हमारे सामूहिक प्रयासों से टीबी उन्मूलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की कमी और मृत्यु दर में 21 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी पुष्टि विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024' में की गई है। 'मिसिंग' टीबी मामलों की संख्या भी 2015 में 15 लाख से घटकर 2024 में केवल 1.2 लाख रह गई है।

परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, स्वास्थ्य देखभाल के वित्तपोषण में भी सुधार किया गया है। 2014-2022 के बीच सरकारी स्वास्थ्य खर्च जीडीपी का 1.13 प्रतिशत से बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गया है। वहीं, लोगों की जेब से होने वाले खर्च में विशेष गिरावट आई और यह 62.6 फीसदी से घटकर 39.4 फीसदी पर पहुंच गया है। 'मुफ्त दवा और जांच सेवा' ने किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाया है। अभी 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में लैबोरेटरी सेवाएं उपलब्ध हैं, 34 राज्यों में सीटी स्कैन सुविधा है और 12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में टेली-रेडियोलॉजी सेवा प्रदान की जा रही है। 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम' से 28 लाख से अधिक रोगी लाभान्वित हुए हैं, जिससे उनके खर्च में 8,725 करोड़ रुपये की बचत हुई है। 'पीएम जनमान' के तहत अतिरिक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट विशेष जनजातीय क्षेत्रों में काम कर रही हैं। मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सुदृढ़ आधारभूत संरचना आवश्यक है। इसी लक्ष्य के साथ, 2021 में, 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन' शुरू किया गया। इसकी मुख्य पहलों में 18,802 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 602 क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉकों व 730 जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल हैं।

मानव संसाधन, एक मजबूत स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसका इन 11 वर्षों में विस्तार रूपांतरणकारी रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने 5.23 लाख अतिरिक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को शामिल किया है, जिनमें 1.18 लाख सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भी शामिल हैं।

इसने समुदायों के करीब गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित की है। इसके अलावा, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के माध्यम से गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। पिछले 11 वर्षों में भारत की स्वास्थ्य क्रांति ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य-सेवा की मजबूत नींव रखी है। सशक्त राजनीतिक प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, निरंतर प्रयास, नवाचार और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, आज देश सभी के लिए सुलभ, किफायती और समतामूलक स्वास्थ्य सेवा के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। (लेखक केंद्रीय मंत्री है(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गरीबों का जीवन गरिमामय बनाती राष्ट्रीय योजनाएं

(नवनीत सहगल, चेयरमैन, प्रसार भारती)

भारत में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बीते एक दशक में जो बदलाव आया है, उसे लगातार अंतरराष्ट्रीय मान्यताएं मिल रही हैं। बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा जारी किए गए आंकड़े इस बदलाव की औपचारिक पुष्टि करते हैं। साल 2015 में जहां भारत की महज 19 फीसदी जनसंख्या को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में माना जाता था, वहीं 2025 में यह बढ़कर 64.3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, यानी करीब 94 करोड़ भारतीय अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। यह न केवल राष्ट्रीय, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी एक उल्लेखनीय छलांग है। भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार सिर्फ संख्या की वृद्धि नहीं है, बल्कि नीतिगत दृष्टिकोण में भी एक गहरा बदलाव दर्शाता है। पहले जहां ये कल्याणकारी योजनाएं दिखावटी या चुनावी भाषणों तक सीमित समझी जाती थीं, वहीं अब उनको डाटा आधारित, कानूनी रूप से समर्थित व संस्थागत रूप से प्रमाणित ढांचे में समाहित किया गया है। इस बदलाव से गांवों-गरीबों का 'सिस्टम' के प्रति भरोसा जाग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय और समावेशी विकास की यह नीति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। यह एक ऐसा 'विजन' है, जिसके परिणामस्वरूप लाभार्थी अब सिर्फ राजनीतिक लाभ का जरिया न बनकर तरक्की की कतार में शामिल हो रहे हैं। दरअसल, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की संकल्पना पर आधारित योजनाओं से बीते 10 वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि जन-कल्याण सिर्फ सरकारी जुमला नहीं है, बल्कि यह शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उसने लोक-कल्याणकारी योजनाओं को 'डिजिटल ट्रांसफर आधारित न्याय' में बदला। 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के माध्यम से इस दौरान 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजे गए। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा, बल्कि सरकारी योजनाओं में लोगों का विश्वास भी बहाल हुआ।

सामाजिक सुरक्षा के लिहाज से आयुष्मान भारत योजना तो दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना बन गई है। अब तक छह करोड़ से अधिक अस्पतालों में भर्ती रोगियों का मुफ्त इलाज और 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को बीमा सुरक्षा देना यह साबित करता है कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अभिजात्य वर्ग की सुविधा से निकालकर आम नागरिक का अधिकार बना दिया है। जहां अनेक विकसित अर्थव्यवस्थाएं सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा के लिए संघर्ष कर रही हैं, वहीं भारत ने गरीब से गरीब नागरिक को गंभीर रोगों से लड़ने की शक्ति दी है। सामाजिक सुरक्षा की दिशा में 'कोड ऑन सोशल सिक्युरिटी 2020' भी एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रहा है। यह न केवल संगठित क्षेत्र को, बल्कि गिग इकोनॉमी और असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के मार्ग खोलता है।

एक आकलन के अनुसार, फूड डिलीवरी, कैब ड्राइविंग, फ्रीलांसिंग जैसे कार्यों में लगे गिग कर्मचारियों की संख्या 2030 तक 2.35 करोड़ हो जाएगी। उनके लिए सामाजिक सुरक्षा फंड का प्रस्ताव भारत के बदलते श्रम परिदृश्य की समझ को दर्शाता है। इसी तरह, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, अटल पेंशन योजना, किसान मानधन योजना और राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना जैसी योजनाएं वृद्ध नागरिकों के लिए समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर रही हैं। आईएलओ का सुझाव है कि सामाजिक सुरक्षा केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न होकर जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी होनी चाहिए। ऐसे में, हर घर जल योजना ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया, तो प्रधानमंत्री आवास योजना ने चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण करवाया। सौभाग्य योजना और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने सामाजिक सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य को आर्थिक संरक्षण व गरिमा में परिवर्तित कर दिया है। आईएलओ की मान्यता केवल वैश्विक तमगा नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे नागरिकों के जीवन में प्रवेश करती हैं।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5789

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5788

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 5789

1	2	3			4	5	6
7				8		9	
			10		11		
12	13	14				15	16
	17					18	
19			20				
	22	23			24		
		25					

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह एशिया का निष्प्राण क्षेत्र कहलाता है (3)
4. यह देश 1814 में ब्रिटेन के अधीन हो गया था और 26 मई 1966 को राष्ट्रमंडल के भीतर स्वाधीन बना जिसकी राजधानी जार्जटाउन है (3)
7. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
9. एक बार सांस लेने का समय, बल, कश, फूंक (2)
10. किसी वी.आई.पी. के आने पर की जाने वाली तोपों का फैर (3)
12. इस स्वतंत्रता सेनानी को पंजाब केसरी भी कहा जाता था (8)
17. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
18. अंधकार, तमोगुण, विजय वासना रूपी अज्ञान (2)
19. जल, आब, नीर, पानी (2)
20. थलीय धरातल, पृथ्वी (3)
22. अनलंकृत, दर्पहीन, सरल, सामान्य (3)
24. कुएं के आसपास बना हुआ चबूतरा (4)
25. मनुहार, मनाने का काम, मन्नत (4)

ऊपर से नीचे

1. रसोईघर को यह भी कहा जाता है (4)
2. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई (2)
3. सुमात्रा द्वीप में होने वाली एक प्रकार की घास (2)
5. अविस्मरण, स्मृति, वियोग, दुख (2)
6. संज्ञा, इस्म, उपाधि, संज्ञिका (2)
8. मिलन, समझौता, समागमन, इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा ने सर्प की भूमिका निबाही थी (3)
10. श्रृंगार करना, तैयार होना, बनना-ठनना (6)
11. प्रेमी, पुरुष मित्र को यह भी कहा जाता है (2)
13. उत्तराधिकारी, अनाथ, स्वामीहीन (4)
14. राल, लुआबा, लासा (2)
15. निशा, विभावरी, रात्रि, रजनी (2)
16. यमराज की भेजे जाने वाले संदेशवाहक (4)
21. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)

वर्ग पहेली 5788 का हल

ब	ह	री	न		म	हु	आ
या	र		म	दी	ना		स
र	फ	बु	क		व		पा
		त	ह	स	न	ह	स
सु	ख		ला	वा		स्ती	
न	ल		ल	लि	ता		फौ
य		आ		या	र	बा	ज
ना	म	ज	द		क	र	

आज का राशिफल

मेष

आज करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। कोई महत्वपूर्ण डील दोपहर तक फाइनल हो सकती है जिससे आपकी प्रफेशनल साख बढ़ेगी। ऑफिस में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। स्टॉक मार्केट या निवेश से जुड़े निर्णय फायदेमेंद हो सकते हैं। विदेश या सरकारी क्षेत्र से धन प्राप्ति के योग हैं। रात में ग्रहों के शुभ प्रभाव की वजह से कारोबारी यात्रा या नए संपर्क बनने की संभावना है।

वृष

आज दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा। आप अपने व्यापार या करियर के विस्तार की नई योजनाओं में व्यस्त रहेंगे। किसी वरिष्ठ अधिकारी या सलाहकार के मार्गदर्शन से रुका हुआ फंड मिल सकता है। स्थानांतरण या प्रमोशन संबंधी सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। निवेश करने से पहले सभी दस्तावेज ध्यान से जांचें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में लाभ मिलेगा। व्यवसाय में कोई नया साझेदार आ सकता है या नया टाई-अप हो सकता है।

मिथुन

आज भाग्य साथ दे रहा है। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष लाभकारी रहेगा। फीलांसर, डिजाइनर, लेखक आदि के लिए नए क्लाइंट मिलने की संभावना है। अगर आप शेयर बाजार या क्रिप्टो मार्केट से जुड़े हैं तो दोपहर बाद कुछ तेजी से लाभ कमा सकते हैं। ऑफिस में सीनियर से सहयोग मिलेगा और पदोन्नति की संभावनाएं बनेंगी।

तुला

आज धन, करियर और साझेदारी के लिए दिन शुभ है। यदि आप नया व्यवसाय या वेंचर शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आज का दिन श्रेष्ठ है। पुराने फाइनेंशियल विवाद सुलझ सकते हैं जिससे राहत मिलेगी। बैंकर, लीगल प्रफेशनल्स और कंसल्टेंट्स को विशेष सफलता मिल सकती है। स्टॉक या कमोडिटी में सीमित लेकिन सोच-समझकर निवेश लाभ देगा। परिवार से जुड़े आर्थिक निर्णयों में संतुलन बनाए रखें।

वृश्चिक

आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके माली हालात में सुधार के योग बन रहे हैं। प्रफेशनल्स को बोनस या परफॉर्मेंस इंसेंटिव मिल सकता है। व्यापारियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल या टेक एक्सपॉर्ट से जुड़े प्रॉजेक्ट्स में लाभ मिलेगा। निवेश के मामले में एसआईपी,एनपीएस रिटायरमेंट योजनाएं भविष्य के लिए फायदेमंद होंगी। क्रिप्टो या डे ट्रेडिंग से दूर रहें, अन्यथा उलझन संभव है।

धनु

आज लाभ होगा। दिन जोखिम और अवसर दोनों से भरा रहेगा। स्टार्टअप, फिनटेक या इनोवेटिव प्रॉजेक्ट्स में निवेश करने वाले लोग सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिर सोच लाभ देगी। करियर में अचानक कोई नया प्रस्ताव आ सकता है। टैक्स, बीमा और बैंकिंग क्षेत्र के पेशेवरों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकते हैं।

कर्क

आज दिन शुभ है। आप अपनी सृजनात्मकता से करियर में एक नया मुकाम हासिल कर सकते हैं। मार्केटिंग, मीडिया, फिल्म, संगीत या फैशन से जुड़े जातकों को बड़ी डील मिल सकती है। सहकर्मी आपके आइडियाज को सराहेंगे। व्यापार में निवेश करने के लिए समय अच्छा है, लेकिन किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह जरूर लें।

सिंह

आज दिन काफी व्यस्त है। लेकिन आपके लिए कई नई संभावनाएं खुलने वाली हैं। जॉब चेंज या प्रमोशन की बात आगे बढ़ सकती है। वरिष्ठों से थोड़ा संघर्ष रहेगा, लेकिन आपकी योग्यता खुद बोलेगी। जो लोग एजुकेशन या रिसर्च सेक्टर में हैं उन्हें फंडिंग या स्कॉलरशिप से जुड़ी खबर मिल सकती है। शेयर बाजा में जल्दबाजी न करें। म्यूचुअल फंड और लॉन्ग टर्म निवेश पर ध्यान देना लाभकारी रहेगा।

कन्या

आज आर्थिक मामलों में बहुत सतर्कता से काम करने का है। किसी पुराने लेनदेन में कानूनी उलझन संभव है, अतः दस्तावेजों की दोबारा जांच करें। कार्यस्थल पर सामंजस्य बनाए रखें, नहीं तो छोटी बात बड़े विवाद में बदल सकती है। रियल एस्टेट में निवेश के लिए समय उचित है, बशर्ते सभी पक्षों की पुष्टि कर लें। शाम को कोई अप्रत्याशित आय स्रोत खुल सकता है जिससे आर्थिक स्थिति सशक्त होगी।

मकर

आज करियर और व्यापार दोनों में आज गति आएगी। कई तरह के प्रॉजेक्ट्स एक साथ हाथ में आने से कार्यभार बढ़ेगा लेकिन साथ ही वित्तीय लाभ भी मिलेगा। स्टार्टअप्स और फाइनेंस प्रोजेक्टस में फंडिंग या वेंचर कैपिटल का सहयोग मिलने के योग हैं। साझेदारी से जुड़े फैसलों में स्पष्टता रखें। शाम तक कोई रियल एस्टेट डील फाइनल हो सकती है जो आगे चलकर स्थायी संपत्ति का रूप लेगी।

कुंभ

आज दिन आर्थिक मामलों में संभावनाओं से भरा होगा। स्वास्थ्य पर खर्च की संभावना से आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। व्यापारियों के लिए नए आइडिया लाभ दे सकते हैं। जॉब चेंज की प्लानिंग कर रहे हैं तो अच्छे विकल्प मिलने की संभावना है। फाइनेंस, आईटी और कंसल्टिंग से जुड़े लोग क्लाइंट पिच में सफल हो सकते हैं। निवेश करते समय जल्दबाजी न करें, सूझबूझ से लिया गया निर्णय ही लाभदायक होगा।

मीन

आज दिन भाग्य का साथ दे रहा है। वित्तीय दृष्टि से दिन शुभ है। कोई पुराना निवेश जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट या शेयर अप्रत्याशित लाभ दे सकता है। बैंकिंग, बीमा, गवर्नमेंट सेक्टर या पब्लिक डीलिंग से जुड़े कार्य सफल रहेंगे। कोई पुराना क्लाइंट या व्यापारिक सहयोगी फिर से जुड़ सकता है, जिससे लाभ की संभावनाएं बनेंगी। पार्टनरशिप डील साइन करते समय सभी शर्तें पढ़ना न भूलें।

राजनीतिक दल के नेताओं को खुश करने बेवजह किया गया निलंबन की कार्यवाही

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोंडागांव के सामने 15 जुलाई से अनिश्चितकालीन आमरण अनसन

कोण्डागांव। नीता मंडावी एवं नरसिंह मंडावी ने शासन प्रशासन पे गंभीर आरोप लगाकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा कि 3 सिंतबर 2024 को पूर्व एसडीएम (निकीता मरकाम) व अन्य उच अधिकारियों ने राजनीतिक पार्टी के लोगो को खुश करने के लिए षड्यंत्र पूर्वक, सुनियोजित तरीके इनके द्वारा व्यक्तिगत रुचि लेते हुए, पति -पत्नी (नीता मंडावी- नरसिंह मंडावी) को कन्या छात्रावास कोंडागांव के अधीक्षिका के निवास स्थान में भोजन करने को लेकर 12 घंटे के अंदर, बिना नोटिस दिए, तर्कहीन बिना ठोस आधार के राजनीतिक द्वेष से प्रेरित होकर बे मतलब पूर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोंडागांव निकिता मरकाम ने कार्यवाही किया इनके अनुशंसा के आधार पर निलंबन की कार्यवाही किया गया। नियमतः 90 दिवस में बहाली किया जाना था, परन्तु आज पर्यन्त तक निलम्बन अवधि 10 माह पूर्ण हो चुकी है। तय समय सीमा मे आरोप पत्र का जवाब भी दिया जा चुका है। बहाली के लिए कई बार आवेदन दिया जा चुका है परन्तु उच्च अधिकारियों का जवाब संतुष्टि जनक नहीं रहा। उच्च अधिकारियों के ढुल-मूल जवाबो से परेशान होकर परिवार सहित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोंडागांव के बाहर आमरण अनशन में बैठने को मजबूर है। प्राप्त जानकारी अनुसार महिला बाल विकास विभाग रायपुर के दिशा निर्देश के कंडिका 2.3.1 में अधिक्षिका/वार्डन परिवार सहित रह

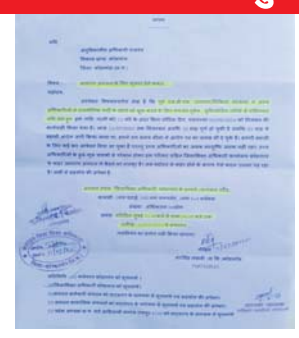

सकती है। इस कंडिका का पालन करना चाहिए था। कंडिका 4.2 में स्पष्ट लिखा गया है कि शिकायत प्राप्त होने पर 15 दिन में जांच कर शिकायत सही पाए जाने की स्थिति में मूल संस्था के लिए स्थानांतरण व प्रभार परिवर्तन करते हुए संस्था से मुक्त करने के लिए निर्देश है। इस कंडिका का पालन अधिकारियों द्वारा नही किया गया। कंडिका 2.8.2 अधिक्षिका के परिवार के लिए नही है। सूचना के अधिकार 2005 के तहत मिली जानकारी अनुसार अधीक्षिका क्वार्टर में परिवार (पति बच्चे) सहित रह सकती है। आर.टी.आई. से मिले जवाब अनुसार पूर्व एस.डी.एम.(रा) कोंडागाँव ने जानकारी के अभाव में चहेते राजनीतिक नेताओं के लिए रात्रि को अधिक्षिका के कमरे मे भोजन कर रहे पति- पत्नी पर कार्यवाही किया गया। पूर्व एस.डी.एम. (रा) निकिता मरकाम के व्यक्तिगत द्वेष भरी नियम अनुसार पति-पत्नी एक साथ नही रह सकते ,साथ रहना अवैध है। इनके द्वारा पति- पत्नी के रिश्ते को आपत्तिजनक कृत्य कहा गया और पति को पत्नी के कमरे में पाये जाने पर ,रंगे हाथ पाया गया इन्होंने मीडिया में कहा। और न जाने कई प्रकार की चुटकुले भरी आर्टिकल्स प्रिंट मीडिया/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया/ सोसल मीडिया में प्रसारित किया गया। इस प्रकार का व्यवहार पढ़े लिखे उच्चपद में आसीन महिला अधिकारी के लिए शोभा नही देता। राज्य में समस्त कर्मचारियों के संरक्षण के लिए सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर द्वारा 02 आदेश जारी हुआ है इसमे से पत्र क्र .एफ 3-2/2010/1-3 रायपुर 23 नवम्बर 2010 और आदेश पत्र क्र. एफ 13-3/आप्रा/2008/1-3 रायपुर 12 जून 2008 का उच्च अधिकारियों के द्वारा घोर उल्लंघन किया जा रहा है।

बैलाडीला ट्रक यूनियन में स्थानीय लोगों को मेंबर सीप देने को लेकर ग्रामीण पहुंचे बीटीओए के कार्यलय, ट्रकों को भी रोका

किरंदुल। आदिवासियों ने बैलाडीला ट्रक यूनियन एसोसिएशन के पदाधिकारियों पर लगाए आरोप, स्थानीय लोगों को मेंबरशिप न देकर बाहरी दूसरे जिले के लोगों को बेचने के आरोप लगाते हुए सैकड़ों की संख्या में 12 गांव के आदिवासी पहुंचे बीटीओए के कार्यलय बैलाडीला और लौह अयस्क भरकर जा रहीं ट्रकों को भी कुम्हाररास में रोका, बिटीओए के यूनियन में 15 सौ से अधिक ट्रके अभी पंजीकृत हैं, जिसमे सभी समुदाय के मेंबर शामिल हैं, आदिवासी ट्रक मालिक भी हैं, पर नए मेंबरशिप को लेकर अब बवाल शुरू हुआ है, अभी हाल ही में कुछ लोगों ने ट्रके फाइनेंस करवाई हैं, जिनको मेंबर नही बनाया गया हैं इसके विरोध में ग्रामीण बड़ी संख्या में ट्रक यूनियन के कार्यलय पहुंच मांग की मेंबर बनने की। बचेली में एसडीएम को ज्ञापन सौप मेंबरशिप देने की मांग की गई थी, बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर कार्यालय में अपनी मांगों को पूरा करने की मांग करते रहें।

स्वावलंबी भारत अभियान राज्य स्तरीय कार्यशाला में कोंडागांव के रासेयो स्वयंसेवक शामिल

कोण्डागांव। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत स्वावलंबी भारत अभियान को गति देने हेतु बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में कोंडागांव जिले के चयनित स्वयंसेवक अंजू बोस, कशिश यादव, खिलेंद्र नेगी, शनिदेव भाग ले रहे हैं। यह दल जिला संगठन शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में वरिष्ठ स्वयंसेवक देवेंद्र कुमार एवं अजीत कुमार एवं स्वयंसेवकों के पालक की उपस्थिति में स्थानीय बस स्टैंड से रवाना हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को स्वावलंबन, सामाजिक नेतृत्व, उद्यमिता और रचनात्मकता की दिशा में प्रेरित करना है। तीन दिवसीय इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं, जहाँ उन्हें प्रशिक्षण के साथ-साथ समूह चर्चा, उद्यमशीलता सत्र, प्रेरक भाषण, और अनुभव साझा करने जैसे सत्रों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 11 जुलाई से 13 जुलाई तक झूलेलाल मंगलम भवन बिलासपुर में आयोजित किया गया है।

शशिभूषण कन्नौज ने रवाना होने से पूर्व कहा - राष्ट्रीय सेवा योजना केवल सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवा मन में सामाजिक चेतना और आत्मनिर्भरता की लौ प्रज्वलित करने का सशक्त साधन है। इस कार्यशाला के माध्यम से हमारे स्वयंसेवक नई सोच और ऊर्जा के साथ लौटेंगे। युवा केवल नौकरी का आकांक्षी नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सकता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें दिशा और दृष्टि देने में सहायक होते हैं। स्वावलंबन केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि यह आत्मविश्वास, पहचान और समाज में सकारात्मक बदलाव की पहल है। हम इस कार्यशाला से नई प्रेरणा लेकर लौटेंगे।जिला संगठन के अनुसार, कार्यशाला के दौरान स्वयंसेवकों को सामाजिक नवाचार, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर कार्य करने की योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। यह कार्यक्रम युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नशे के व्यापार के विरुद्ध कोंडागांव पुलिस की फिर एक कार्यवाही

कोण्डगांव। जिला कोण्डागांव में नशे के व्यापार के विरुद्ध फिर एक कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक वॉय अक्षय कुमार के दिशानिर्देशन एवं अति.पु.अधी. कौशलेंद्र देव पटेल, पु.अनु.अधि. अरूण नेताम के मार्गदर्शन में केशकाल पुलिस द्वारा केशकाल के जोधपुर ढाबा में रेड कार्यवाही कर मादक पदार्थ डोडा (पॉपी स्ट्रॉ) बरामद कर आरोपी के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया गया मामले का विवरण इस प्रकार है कि मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि केशकाल के जोधपुर ढाबा में अवैध मादक पदार्थ डोडा (पॉपी स्ट्रॉ) का विक्रय किया जा रहा। मुखबिर की सूचना की तस्दीक व वैधानिक कार्यवाही वास्ते गवाहों को तलब कर जोधपुर ढाबा में रेड कार्यवाही की गई जिससे ढाबा संचालक आरोपी दिलीप जोशी पिता प्रेमचंद निवासी गुमाननगर नाथडाउ राजस्थान हाल केशकाल थाना केशकाल जिला कोंडागांव के कब्जे से 3.600 किग्रा मादक पदार्थ डोडा बरामद हुआ जिसके कब्जे में रखने के सम्बन्ध में वैध दस्तावेज मांगने पर आरोपी के द्वारा कोई भी वैध दस्तावेज पेश न करने पर गवाहों के समक्ष मादक पदार्थ को मौके पर जब्त किया गया।

प्रकाश विद्यालय किरंदुल के शाला नायक बने इमरान खान व शाला नायिका बनी साक्षी वर्मा

■ शपथ ग्रहण समारोह में पदाधिकारियों ने ली अपने कर्तव्य व अनुशासन की शपथ

किरंदुल। प्रकाश विद्यालय किरंदुल में शाला नायक का चुनाव हुआ संपन्न, जिसमे स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए शाला नायक के पद पर मा. इमरान खान को चुना तथा शाला नायिका बनी कु. भूमिका नाग। चुनाव संपन्न होने के बाद विद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह का आयेजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप मे किरंदुल थाना प्रभारी संजय कुमार यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना नृत्य के द्वारा किया गया। तत्पश्चात दीप प्रवलन कर ईश्वर की साक्ष्यता में शाला नायक इमरान खान व शाला नायिका साक्षी वर्मा के साथ सचिव अनन्या रात्रे, सचिव आरव नाग, सह सचिव भूमिका नाग ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन की शपथ ली। और सत्र 2024 - 25 के शाला नायक नायिका ने अंधकार से प्रकाश की ओर की भावना को जागृत करते हुए सभी नए पदाधिकारियों को अपना कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय कुमार यादव ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बैच देकर सम्मानित किया।तथा अपने उदबोधन में सभी को अपने अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निवर्हन की समझाइश दी। विद्यालय के प्राचार्य दिलीप मैथयू ने भी सभी को अपने विद्यालय के कर्तव्यों एवं अनुशासन का सहजता पूर्वक निर्वहन का संदेश दिया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य सिस्टर जीना, सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्व रेबीज दिवस 28 सितंबर के उपलक्ष्य में विशेष अभियान प्रारंभ

कोण्डागांव। विश्व रेबीज दिवस 28 सितम्बर के उपलक्ष्य में पशु चिकित्सा विभाग कोण्डागांव द्वारा प्राथमिक एवं हाई स्कूल नवागांव, मर्दापाल में विद्यार्थियों के बीच एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को रेबीज रोग, कुत्ते के काटने की स्थिति में प्राथमिक उपचार, पॉलीथीन प्रदूषण एवं पशुपालन में कैरियर की संभावनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एम.बी. सिंह, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, कोण्डागांव के निर्देशानुसार किया गया। रेबीज रोग पर विस्तृत जानकारी पशु शल्य चिकित्सक डॉ. ढालेश्वरी ने बच्चों को रेबीज रोग के बारे में मानव एवं पशु दोनों संदर्भों में गहराई से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेबीज एक जानलेवा वायरस जनित रोग है जो संक्रमित कुत्ते, बिल्ली या जंगली जानवर के काटने से फै लता है। बच्चों को यह भी बताया गया कि यदि किसी को कुत्ता काट ले तो घाव को तुरंत साबुन और पानी से धोकर, बिना देरी के पास के स्वास्थ्य केंद्र में जाकर एंटी-रेबीज टीका लगवाना चाहिए। साथ ही पालतू कुत्तों का समय-समय पर टीकाकरण कराना अत्यंत आवश्यक है।

पॉलीथीन प्रदूषण पर जागरूकता प्रभारी, मोबाइल वेटरनरी यूनिट डॉ. दीपिका सिदार ने विद्यार्थियों को बताया कि पॉलीथीन पशुओं के लिए मृत्युतुल्य खतरा बन चुका है। मवेशी कचरे में फेंके गए पॉलीथीन को खा जाते हैं, जिससे उनकी आंतों में रुकावट, अपच, संक्रमण एवं मृत्यु तक की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने बच्चों को अपने परिवेश को पॉलीथीन मुक्त रखने और इसके जैविक विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया। कैरियर मार्गदर्शन वेटरिनरी असिस्टेंट सर्जन, प्रभारी पशु चिकित्सालय मर्दापाल डॉ. कोर्राम ने विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा विज्ञान में कैरियर के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुपालन, डेयरी, वेटरिनरी साइंस, फिशरीज आदि क्षेत्र ग्रामीण युवाओं के लिए रोज़गार एवं स्वरोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने पशुपालन को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त साधन बताया।

यौमे पैदाइश में मुस्लिम समाज करेगा पौध रोपण

नारायणपुर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मुस्लिम समाज की ओर से अनोखी पहल की जा रही हैं। बर्थ डे में केक काटने की बढ़ती परंपरा से हटकर मुस्लिम समुदाय के लोग अब अपनी आने वाली पीढ़ी को अच्छी आबोहवा देने के लिए पौध रोपण अभियान में सहभागिता निभाने लगे हैं। अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर के द्वारा जमात के किसी भी शख्स की यौमे पैदाइश के दिन पर एक पौधा लगाने की मुहिम का आगाज़ अंजुमन कमेटी के सदर मोहम्मद इमरान खान के यौमे पैदाइश के दिन यानि शनिवार 12 जुलाई से की गई हैं। अंजुमन इस्लामिया कमेटी के द्वारा बाकायदा जमात के सभी लोगों को उनके यौमे पैदाइश के दिन फलदार पौधा उपलब्ध कराया जा रहा हैं। पौधा लगाने के लिए कब्रिस्तान, ईदगाह और नए जमात खाना की जमीन को चिन्हांकित किया गया हैं। वहीं अगर कोई अपने घर या बाड़ी में भी पौधे लगाने की इच्छा समाज प्रमुखों के सामने जाहिर करे तो कमेटी उनके यौमे पैदाइश के दिन घर में पौधा लगाने के लिए हर संभव मदद कर एक पौधा उपलब्ध कराएगी। जन्मदिन के उत्सव में होने वाली फिजूल खर्च रोकने की दिशा में मुस्लिम समाज आगे बढ़ रहा हैं। इस अभियान से जहां फ़िजूल खर्च में रोक लगाने की पहल की जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ पौधा का रोपड़ कर पृथ्वी के अंदर बढ़ते दबाव को कुछ हद तक कम करने का एक छोटा सा प्रयास किया जा रहा हैं।

इस्लामी शिक्षाओं में पेड़ लगाने का महत्व : इस्लाम में पेड़ लगाने को बहुत महत्व दिया गया है, और पैगंबर मुहम्मद साहब ने भी पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की शिक्षा दी है। हदीस में है कि अगर कोई मुसलमान पेड़ लगाता है, तो उसे उस पेड़ से मिलने वाले हर फायदे का सवाब मिलेगा, चाहे वह फल हो, छाया हो, या किसी भी तरह का फायदा हो। नेकी की नियत रखने वालो के लिए पेड़ लगाने की मुहिम की प्रशंसा सभी लोग कर रहे हैं।

सदका-ए-जारिया : पेड़ लगाना एक ऐसा दान है जिसका फल निरंतर मिलता रहता है, जब तक कि वह पेड़ जीवित है और उससे दूसरों को फायदा पहुंच रहा है। पेड़ लगाना पर्यावरण को बचाने और हरियाली को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर की इस पहल का हिस्सा बनने के लिए लोगों से अपील की गई हैं।

एक पेड़ मां के नाम से मिली प्रेरणा : नारायणपुर मुस्लिम समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहम्मद इमरान खान ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक पेड़ मां के नाम से प्रेरणा लेते हुए मुस्लिम समाज अपनी सहभागिता निभा रहा हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की चिंता सभी स्तर पर होनी चाहिए। भविष्य के खतरे को देखते हुए पौध रोपण अभियान ही एक बेहतर विकल्प हैं जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी को अनुकूल माहौल प्राप्त हो सकेगा।

पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कोण्डागांव रुपेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई

अवैध प्रेम संबंध से जुड़े हत्या के मामले में कोण्डागांव पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कोण्डागांव। 30 जून को ग्राम मगेदा जंगल, पाउरवेल (उड़ीसा) जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक अज्ञात पुरुष का शव संदिग्ध अवस्था पाए जाने की सूचना पर थाना माकड़ी में मर्ग क्रमांक 27/2025, धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत दर्ज कर मामला हत्या से संबंधित होना पाया जाने से अपराध धारा 103 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव वाय. अक्षय कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कोण्डागांव रुपेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई। इस टीम ने जांच के विभिन्न पहलुओं को चिह्नित कर तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जांच प्रारंभ की। मृतक के द्वारा पहने हुए पैंट में से एक जली हुई पीले रंग का एंटी-रैबीज अस्पताल पर्ची मिला, जिसमें नाम धर्मवीर, उम्र 33 वर्ष, निवासी नाथम अंकित था। मृतक के पास मिले एंटी-रैबिस वैक्सीन शेड्यूल कार्ड के आधार पर तमिलनाडु के धरमपुरी अस्पताल से संपर्क किया गया तथा जिससे अस्पताल में मृतक द्वारा दर्ज कराई गई अपनी व्यक्तिगत जानकारी एवं मोबाईल नम्बर के आधार पर उसके मालिक से पूछताछ करने पर बताया कि उसका स्वास्थ्य खराब होने से ईलाज हेतु अस्पताल भर्ती किये थे जिसे 27 जुन को उसका मित्र विदेश मरकाम उर्फ लम्बू लेकर चला गया। जिसके पश्चात उसकी कोई जानकारी नही है। तमिलनाडू से जानकारी प्राप्त हुआ कि धर्मवीर नेताम, निवासी नगरी, थाना नगरी, जिला धमतरी, छत्तीसगढ़ का रहने वाला है और उसकी पत्नी रवीना नागरची नगरी जिला धमतरी में निवासरत है। जिसके पश्चात् रवीना नागरची एवं परिजनों से सम्पर्क कर शव के फोटो को दिखाया गया जिसने धर्मवीर नेताम के रूप में अज्ञात शव की पहचान की। जांच के दौरान पुलिस ने क्षेत्र के सभी उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज का गहन अवलोकन किया और मोबाइल टावर डेटा का विश्लेषण किया। जिसमें हजारों नंबरों के मुव्हमेंट गतिविधियों का अवलोकन करने के पश्चात् कुछ नम्बरों की संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर चिन्हांकित किया गया एवं अधिकारियों के निर्देश पर संदिग्ध नंबरों की पहचान एवं पूछताछ हेतु अनेकों जगह टीम रवाना किया गया इसी दौरान घटना स्थल के मोबाईल टावर डाटा का अवलोकन पर विदेश मरकाम का मोबाइल संभावित घटना के समय में घटना स्थल पर होना ज्ञात हुआ। जिससे विदेश मरकाम की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुई तथा विदेश मरकाम और रवीना के बीच अत्याधिक बातचीत होना पाया गया, जो कि संदिग्ध होने पर लगातार निगरानी में रखा गया। उनके मोबाईल डाटा का अवलोकन पर पाया गया कि घटना के पश्चात विदेश मरकाम के द्वारा लगातार अपना लोकेषन व मोबाईल नम्बर चेंज किया जा रहा था। इसी दौरान जानकारी प्राप्त हुआ कि विदेश मरकाम तमिलनाडू से वापस कोण्डागांव की ओर आ रहा है तब थाना माकड़ी एवं सायबर टीम के द्वारा अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी कर विदेश मरकाम को कोण्डागांव बस स्टैण्ड से पकड़ा गया एवं अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि उसकी और मृतक की पत्नी रवीना के बीच प्रेम संबंध थे तथा मृतक धर्मवीर के द्वारा लगातार अपनी पत्नी रवीना को इस बात को लेकर मारपीट कर प्रताड़ित करता था। जिससे परेशान होकर दोनो ने मिलकर धर्मवीर को मारने का प्लान बनाया था।

राजेश्वरी एसएम, डायरेक्टर-आरएल का कोण्डागांव भ्रमण

कोण्डागांव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन डायरेक्टर -आर एल राजेश्वरी एसएम ने कोण्डागांव जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शिल्प नगरी कोण्डागांव और जिला स्तरीय सी-मार्ट का निरीक्षण किया तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों को बढ़ावा देने और उनके विपणन हेतु सी-मार्ट के माध्यम से बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डायरेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूहों के दीदियों को लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें जिला व विकासखण्ड स्तर पर विभागीय योजनाओं में प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने समूहों को सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन, बकरीपालन, सुकरपालन, मछली पालन, किराना दुकान, फैंसी स्टोर, मक्का उत्पादन जैसी आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की बात कही। उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों जैसे ड्रीप सिंचाई, मचान पद्धति और मल्चिंग विधि को अपनाकर ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने आईएफसी क्लस्टर अंतर्गत ग्राम बफना में महिला किसान शांति देवांगन एवं अनिता देवांगन के खेत का दौरा किया, जहाँ ड्रीप और मल्चिंग तकनीक से सब्जी उत्पादन हो रहा है। उन्होंने महिला किसानों से चर्चा कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। महिला किसानों ने बताया कि आईएफसी क्लस्टर से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है ।

बीएफआई इलेक्शन:

बीएफआई चुनावों में देरी का मामला, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने वजह पता लगाने के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनावों में हो रही देरी के कारणों का पता लगाने और निष्पक्ष तथा समय पर चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक खाके की सिफारिश करने हेतु तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग समिति का गठन किया है। शुक्रवार को गठित इस समिति की अध्यक्षता आईओए के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव करेंगे, जबकि आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा और अधिवक्ता पायल काकरा इसके सदस्य हैं।

आईओए के 11 जुलाई के कार्यालय आदेश में उषा ने कहा, बीएफआई की वर्तमान कार्यकारी समिति का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था और तब से नए चुनाव नहीं हुए हैं। आदेश में कहा गया कि यह समिति बीएफआई की वर्तमान कानूनी और प्रशासनिक स्थिति की जांच करेगी और भारत में मुक्केबाजी के संचालन और कामकाज पर देरी के प्रभावों का आकलन करेगी। यह समिति विश्व मुक्केबाजी के साथ बातचीत सहित आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश करेगी और निष्पक्ष एवं समय पर चुनाव कराने के लिए एक स्पष्ट खाका सुझाएगी। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है जिससे कि विश्व मुक्केबाजी के समक्ष तथ्यात्मक स्थिति प्रस्तुत की जा सके। इस समिति का गठन खेल मंत्रालय द्वारा पांच जुलाई को लिखे गए एक पत्र के बाद हुआ है जिसमें उषा से अनुरोध किया गया था कि विश्व मुक्केबाजी के साथ परामर्श करके एक उपयुक्त व्यवस्था तैयार करें ताकि राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 और बीएफआई के उपनियमों के अनुसार जल्द से जल्द चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

डब्ल्यूपीएल ने खिलाड़ियों की प्रगति में अहम भूमिका निभाई, टी-20 श्रृंखला जीत के बाद बोले मजूमदार

बर्मिंघम, एजेंसी। भारतीय कोच अमोल मजूमदार ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 श्रृंखला जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय महिला प्रीमियर लीग को देते हुए कहा कि इसने खिलाड़ियों की प्रगति में 'अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रतिस्पर्धी घरेलू सत्र को भी दिया। भारत शनिवार को पांचवां और अंतिम मैच हार गया लेकिन श्रृंखला 3-2 से अपने नाम कर ली।

मजूमदार ने पांचवें टी20 में अंतिम गेंद पर भारत की पांच विकेट की हार के बाद कहा, खिलाड़ियों की प्रगति का एक अहम हिस्सा रहा है। इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजर है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने खेलने के दिनों में घरेलू स्तर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे मजूमदार ने कहा कि वह 'डब्ल्यूपीएल की खोज रहीं।

इगा स्वियातेक ने रचा इतिहास

विंबलडन 2025:

लंदन, एजेंसी। लंदन की हरी घास पर, जहां हर कदम इतिहास बनता है और हर विजेता अमरता की ओर बढ़ता है, वहीं 12 जुलाई 2025 को पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस स्टार इगा स्वियातेक ने एक ऐसा मुकाम हासिल किया, जो अब तक उनके देश के लिए केवल सपना था। उन्होंने विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतकर न केवल अपने करियर का पहला विंबलडन टाइटल अपने नाम किया, बल्कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पोलैंड की पहली महिला खिलाड़ी भी बन गईं।

फाइनल में इगा ने अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को मात्र 57 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर एकतरफा अंदाज़ में खिताब अपने नाम किया। टेनिस की दुनिया में इस तरह के स्कोर को 'डबल बैगेल' कहा जाता है – एक ऐसी स्थिति जहां सामने वाला खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत पाता। यह प्रदर्शन न केवल तकनीकी रूप से श्रेष्ठ था, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास का एक ऐसा प्रदर्शन था जिसे वर्षों तक याद रखा जाएगा। इगा के इस जीत की विशेषता सिर्फ उसकी तेज़ी और सटीकता में नहीं थी, बल्कि इस बात में थी कि वह विंबलडन में अब तक कभी इस स्तर पर नहीं पहुंची थीं। फ्रेंच ओपन में चार बार खिताब जीत चुकीं और एक बार यूएस ओपन की चैंपियन रह चुकीं स्वियातेक को विंबलडन की घास पर कभी-कभी असहज भी महसूस हुआ करता था। मगर इस साल कुछ बदला हुआ था – खेल में एक अलग निखार, चेहरे पर आत्मविश्वास की एक नई चमक, और हर सर्व में छिपी चुपचाप की गई मेहनत। मैच के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे विंबलडन जीतेंगी। उनका कहना था, मैंने इसका सपना भी नहीं देखा था, यह मेरे लिए काफी दूर की बात लगती थी। मैंने ग्रैंड स्लैम जीते हैं, खुद को अनुभवी मानती हूं, लेकिन विंबलडन... इसकी कल्पना नहीं की थी। उनकी आँखों में वह आभार साफ़ झलक रहा था, जो केवल एक सच्चे चैंपियन में होता है – जो जितना ऊँचा उठता है, उतना ही विनम्र बनता जाता है। इगा की प्रतिद्वंद्वी अमांडा एनिसिमोवा के लिए यह पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल था। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी के लिए यह सफर बहुत प्रेरणादायक रहा, भले ही फाइनल उनके लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा हो। लेकिन टेनिस की दुनिया जानती है कि अनुभव ही खिलाड़ी को परिपक्व बनाता है, और अमांडा को यह अनुभव आगे ज़रूर मजबूत बनाएगा। इगा ने भी उन्हें मंच से सराहते हुए कहा कि वो चाहती हैं कि वे दोनों मिलकर भविष्य में और भी कई फाइनल मुकाबले खेलें। स्वियातेक की इस उपलब्धि ने पोलैंड को गर्व से भर दिया है।

पोलैंड को दिलाया पहला महिला सिंगल्स खिताब

झराजधानी वारसा में प्रशंसकों ने स्क्रीन पर लाइव मैच देखा और जीत के बाद सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। पोलैंड के राष्ट्रपति ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक टेनिस खिताब नहीं, बल्कि पूरे देश की उम्मीदों और आत्मविश्वास की जीत है। इगा अब पोलैंड की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बन चुकी हैं, जैसे रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने फुटबॉल में किया था, अब वही इगा ने टेनिस में किया। इस जीत के साथ इगा स्वियातेक अब छह ग्रैंड स्लैम खिताबों की विजेता बन चुकी हैं – चार फ्रेंच ओपन, एक यूएस ओपन और अब एक विंबलडन। इस आंकड़े से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है यह संकेत कि वह मौजूदा दौर की सबसे निरंतर और खतरनाक खिलाड़ी बन चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर वन की रैंकिंग अब सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे वे बखूबी निभा रही हैं।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने भी उनकी जीत को ऐतिहासिक करार दिया। मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा कि इगा का प्रदर्शन उन विरले मैचों में से एक था, जहां मानसिक संतुलन और तकनीकी महारत का आदर्श संगम दिखा। वहीं रोजर फेडरर ने कहा कि घास के कोर्ट पर इस स्तर की नियंत्रण क्षमता असाधारण है और इगा का सफर अब नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ता हुआ दिख रहा है।

विंबलडन की यह जीत स्वियातेक के लिए सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, यह एक प्रतीक थी – उस धैर्य, समर्पण और जुनून की जो एक खिलाड़ी को महान बनाता है। उन्होंने न केवल अपने आलोचकों को जवाब दिया, बल्कि उन लाखों युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा दी, जो मानते हैं कि कुछ सतहें, कुछ परिस्थितियाँ या कुछ प्रतियोगिताएं उनकी क्षमता के बाहर हैं।

इगा ने दिखाया कि जब मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास एक साथ चलते हैं, तो सबसे कठिन मंच भी जीत का गवाह बन जाता है। विंबलडन 2025 में उनके नाम के साथ अब सिर्फ ट्रॉफी नहीं जुड़ी है – अब इतिहास में एक चमकदार अध्याय लिखा जा चुका है, जो आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेगा।

इंडिया-इंग्लैंड:

शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद हारा भारत, इंग्लैंड में पहली बार टी20 सीरीज जीती

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड की सरजमीं पर पहली बार टी20 श्रृंखला जीत सुनिश्चित करने वाली भारतीय महिला टीम को शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 मैच में मेजबान टीम के खिलाफ अंतिम गेंद पर पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने हालांकि श्रृंखला 3-2 से जीती। भारत ने शेफाली वर्मा की 75 रन की तेजतर्रार पारी से सात विकेट पर 167 रन बनाए लेकिन इंग्लैंड ने अंतिम गेंद पर पांच विकेट शेष रहते 168 रन बनाकर मैच जीत लिया।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने एम आर्लोट (42 रन पर एक विकेट) पर लगातार दो चौकों के साथ शुरुआत की लेकिन अंतिम गेंद पर लिन्से स्मिथ को कैच दे बैठीं। जेमिमा रोड्रिग्ज भी सिर्फ एक रन बनाकर लिन्से की गेंद पर बोल्ड हो गईं जिससे भारत का स्कोर दो विकेट पर 19 रन हो गया। शेफाली और कप्तान हरमनप्रीत कौर (15) ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 43 गेंद में 66 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर चार्ली डीन (23 रन पर तीन विकेट) ने हरमनप्रीत को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल भी सिर्फ चार रन बनाने के बाद सोफी एकलेस्टोन (28 रन पर दो विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गईं। शेफाली ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने सातवें ओवर में तेज गेंदबाज इसी वोंग पर तीन चौके और एक छक्के से 20 रन बटोरे। शेफाली ने एकलेस्टोन पर कवर्स में चौका जड़कर सिर्फ 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो महिला टी20 में किसी भारतीय का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। माइया बूचियर ने 14वें ओवर में डीन की गेंद पर शेफाली का शानदार कैच लपकर भारत का स्कोर पांच विकेट पर 111 रन किया। शेफाली ने 41 गेंद का सामना करते हुए 14 चौके और एक छक्का मारा। विकेटकीपर रिचा घोष ने इसके बाद 16 गेंद में 24 जबकि राधा यादव ने 14 गेंद में 14 रन की पारी खेली जिससे भारत ने अंतिम 41 गेंद में 56 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों सोफिया डंक्ले (46 रन, 30 गेंद) और डेनियली वॉट हॉज (56 रन, 37 गेंद) ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 10.4 ओवर में 101 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। भारत ने शतकीय साझेदारी के बाद डंक्ले और वॉट हॉज को जल्दी-जल्दी आउट करके वापसी का प्रयास किया लेकिन कप्तान टैमी ब्युमोंट (30) और बूचियर (16) ने मेजबान टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में जीत के लिए छह रन की दरकार थी। अरुंधति रेड्डी (47 रन पर दो विकेट) ने ब्युमोंट और ऐमी जोन्स को आउट किया लेकिन एकलेस्टोन और पेज स्कोफील्ड ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। दोनों टीमों के बीच अब 16 जुलाई से साउथम्पटन में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी।

अपनी पहली ही टी20 सीरीज में श्री चरणी ने बनाया अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में पांचवें टी20 मैच को पांच विकेट से गंवा दिया, लेकिन इस सीरीज में बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने अनूठा कारनामा किया।

20 वर्षीय श्री चरणी ने इसी सीरीज में अपने टी20 करियर की शुरुआत की। उन्होंने सीरीज के सभी पांच मैच खेले, जिसमें 14.8 की औसत के साथ 10 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ श्री चरणी टी20 सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले पायदान पर पहुंच गई हैं। श्री

चरणी के अलावा राधा यादव भी एक ही टी20 सीरीज में 10 विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं। राधा यादव ने साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ऐसा किया था। इस लिस्ट में श्री चरणी-राधा यादव के बाद दीप्ति शर्मा का नाम है, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इसी सीरीज में 9 विकेट लिए हैं।

श्री चरणी टी20 सीरीज से पहले वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर चुकी हैं। उन्होंने अपने करियर में पांच वनडे मैच खेले, जिसमें उनके नाम छह विकेट दर्ज हैं। श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 12 रन देकर चार विकेट चटकाए थे। इसके बाद अगले तीन मुकाबलों में उन्होंने दो-दो शिकार किए। हालांकि, अंतिम मैच में उन्हें कोई विकेट हाथ नहीं लग सका।

WWE में शोक की लहर, रेसलर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया में कहानियां, उत्साह और रोमांच तो होता ही है, लेकिन कभी-कभी दुखद घटनाएं भी इसका एक हिस्सा बन जाती हैं। हाल ही में

रेसलिंग जगत को एक और बड़ा झटका लगा है। अनुभवी रेसलर केविन निकेल, जिन्हें रिंग में इवान वारसॉ और नक्कल्स मैडसेन के नाम से जाना जाता था उनका 41 साल की आयु में निधन हो गया है। निकेल ने इंडिपेंडेंट रेसलिंग सीन और TSW, UWN और मेम्फिस रेसलिंग जैसे कई प्रमोशन्स में लगभग दो दशक बिताए, जहां उन्होंने अपनी एक खास पहचान बनाई थी।

अर्कांसस में गोली लगने से हुई मौत: यह दुखद खबर तब सामने आई जब यह पता चला कि वारसॉ को अर्कांसस में एक घटना के दौरान गोली मार दी गई थी।

शुक्रवार की रात उन्हें पेट में गोली लगी और तत्काल अस्पताल ले जाने के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका।

फिडे विश्व महिला शतरंज कप:

वंतिका ने कैटरीना लागनो, दिव्या ने थेओडोरा इंजाक को हराया

बटुमी (जॉर्जिया), एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अवंतिका अग्रवाल और दिव्या देशमुख ने शनिवार को यहां 691250 डॉलर पुरस्कार वाले फिडे विश्व महिला शतरंज कप में क्रमशः रूस की कैटरीना लागनो और सर्बिया की थेओडोरा इंजाक के खिलाफ तीसरे दौर का पहला गेम जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर ली। इस नॉकआउट प्रतियोगिता में अब सिर्फ 32 प्रतिभागी बचे हैं।

वंतिका ने ऊंची रैंक वाली लागनो को हराकर भारतीय महिलाओं के बीच अपनी तेजी से बढ़ती प्रतिष्ठा का एक और संकेत दिया है। खिताब की दावेदार दिव्या अपनी उम्मीदों पर खरा उतरते हुए काले मोहरों से थेओडोरा को हराया। भारत की सर्वोच्च वरीयता प्राप्त कोनेरू हम्पी को इस बीच पोलैंड की कुलॉन क्लॉडिया के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। सफेद मोहरों के साथ यह परिणाम थोड़ा निराशाजनक था, क्योंकि उनसे जीत की उम्मीद की जा रही थी। डी हरिका भी जीत हासिल नहीं कर सकीं और उन्होंने त्सोलाकिदौ स्टावरौला के साथ ड्रॉ खेला। आर वैशाली ने अमेरिका की कैरिसा यिप के साथ ड्रॉ खेला।

टी20आई त्रिकोणीय श्रृंखला:

फिन एलन चोटिल, इस कीवी बल्लेबाज की न्यूजीलैंड टीम में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार डेवोन कॉनवे, मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टी20आई टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला 14 जुलाई को मेजबान जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगी जबकि न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा। 26 जुलाई को खेले जाने वाले फाइनल से पहले दोनों टीमें एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलेंगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनवे, फिन एलन की जगह लेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में खेलते हुए पैर में लगी चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे। न्यूजीलैंड में आगे के परामर्श के बाद एलन के ठीक होने की समय-सीमा तय की जाएगी। हे, नीशम और रॉबिन्सन माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र के अतिरिक्त कवर के रूप में टीम में शामिल हुए हैं, जो सोमवार को होने वाले मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में हैं। कीवी टीम के मुख्य कोच, रॉब वाल्टर, इस बात से निराश थे कि फिन एलन इस टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

रॉब वाल्टर ने कहा, हम फिन के लिए बहुत निराश हैं, मैं उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग जाती हैं। हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे बेहतरीन खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पाए हैं।

टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला का शेड्यूल:

14 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका
16 जुलाई - दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड
18 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
20 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका
22 जुलाई - न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका
24 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
26 जुलाई - फाइनल।

पदकों की हैट्रिक की ओर बढ़ रही ज्योति सुरेखा

भारत ने तीरंदाजी विश्व कप जीता कांसा और चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में भारत ने महिला कंपाउंड स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम ने भारत की मेडल रेस की अगुआई की। अब उनकी नजर पदकों की हैट्रिक पर है। भारत ने महिला कंपाउंड टीम के रजत और मिश्रित टीम के कांस्य पदक स मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो पोडियम स्थान हासिल किए। भारत ने महिला कंपाउंड टीम के रजत और मिश्रित टीम के कांस्य पदक से शनिवार को मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो पोडियम स्थान हासिल किए जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम पदकों की हैट्रिक की ओर बढ़ रही हैं।

हालांकि, पदक जीतने के बावजूद इस प्रदर्शन ने मुश्किल परिस्थितियों के दबाव में भारतीय तीरंदाजों की असक्षमता को उजागर कर दिया। क्वालिफिकेशन दौर में कुल 2116 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी और तीसरे दौर के बाद 170-169 की बढ़त बनाए थी। लेकिन यह तिकड़ी निर्णायक क्षण में आए दबाव में लड़खड़ा गई और चीनी ताइपे से 225-227 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई।

चीनी ताइपे की तिकड़ी को स्वर्ण

इस हार ने फिर टीम की मानसिक कमजोरियों को उजागर कर दिया और 2022 एशियाई खेलों के बाद कंपाउंड कोच सर्जियो पाग्नी के जाने के बाद से पैदा हुए खालीपन को भी उजागर कर दिया। चीनी ताइपे की हुआंग आई-जौ, चेन यी-हसुआन और चिउ यू-एर्ह की तिकड़ी ने संयम बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बाद में मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और ऋषभ यादव की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 10वीं वरीयता प्राप्त एल साल्वाडोर की पाओला कोराडो और डगलस व्लादिमीर नोलास्को की जोड़ी को 156-153 से हराकर कांस्य पदक जीता।

ज्योति सुरेखा के साथ परनीत कौर भी प्रतिस्पर्धा में

भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने पहले दिन कुल 1431 अंकों के साथ क्वालीफाइंग विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी शुक्रवार को सेमीफाइनल में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी और 12वीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड्स से 152-155 से हार गई थी। ज्योति सुरेखा व्यक्तिगत स्पर्धा में परनीत कौर के साथ भी प्रतिस्पर्धा में हैं और दोनों तीरंदाजों को दिन में अपने-अपने सेमीफाइनल में हिस्सा लेना है।

सलमान खान के

ये 8 डांस स्टेप्स हुए जबरदस्त वायरल

सलमान खान के कुछ ऐसे डांस स्टेप्स हैं जो गाना आते ही वायरल हो गए थे। आज हम आपको सलमान खान के ऐसी ही 8 वायरल स्टेप्स के बारे में बता रहे हैं। इनमें से एक के लिए भाईजान को भयंकर ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। दबंग फिल्म के गाने हुड हुड दबंग में सलमान खान जिस तरह अपनी बेल्ट पकड़र अपने कंधों को उचकाते हैं, वो डांस स्टेप फैंस को आज भी याद है। ये गाना रिलीज होते ही, ये डांस स्टेप वायरल हो गया था।

प्यार किया तो डरना क्या है के गाने ओ ओ जाने जाना में सलमान का शर्टलेस कूल अवतार फैंस को बहुत ही ज्यादा पसंद आया था। वहीं, इस गाने में सलमान खान का डांस भी रिलीज होते ही वायरल हो गया था। आज भी अगर ये गाना बजता है तो लोग अपने आप ही सलमान खान के डांस स्टेप्स को रीक्रिएट करने लगते हैं। फिल्म मुझसे शादी करोगी के गाने जीने के हैं चार दिन में सलमान खान का टावल डांस आते ही वायरल हो गया था। सलमान के इस डांस स्टेप को शायद ही कोई भूला होगा। रेडी फिल्म के गाने ढिंका चिका में सलमान खान जींस की पॉकेट में हाथ डालकर थिरकते नजर आए थे। सलमान का ये स्टेप भी आते ही वायरल हो गया था। दबंग फिल्म के गाने मुन्नी बदनाम में मलाइका अरोड़ा अपनी अदाओं से दर्शकों के दिल पर छा गई थीं, लेकिन इसी गाने में सलमान खान आखिरी में आकर जिस तरह का आड़ा टेढ़ा हाथ चलाते हैं, उसने फैंस का ध्यान अपनी तरफ जमकर खींचा था। फिल्म बॉडीगार्ड के टाइटल सॉन्ग में सलमान ने सिर के पीछे हाथ रखकर जिस तरह अपनी मसल्स दिखाई थीं वो लंबे वक्त तक एक ट्रेंड बन गया था। सुल्तान फिल्म में सलमान खान ने जग घुमया गाने पर जमीन पर लेटकर जैसे डांस किया था वो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। किसी का भाई किसी की जान के गाने नय्यो लगदा में सलमान खान का जो डांस था उसकी वजह से भाईजान की सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोलिंग हुई थी। एक ने सलमान के इस डांस को मुर्गी वाला डांस कहकर मजाक उड़ाया था।

शाहरुख खान की जवान डायरेक्ट करने वाले डायरेक्टर एटली कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जिसका टाइटल अभी AA22xA6 है को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के लिए दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन के अलावा अब रश्मिका मंदाना का नाम भी सामने आ रहा है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी इससे पहले फिल्म पुष्पा में नजर आई थी। फैंस को ये जोड़ी खूब पसंद आई थी। अब एटली की फिल्म में रश्मिका के होने की खबर पर फैंस काफी उत्साहित हैं। "एटली की इस फिल्म का रश्मिका मंदाना भी हिस्सा हैं।

पुष्पा 2 के बाद फिर साथ आएगी रश्मिका और अल्लू अर्जुन की जोड़ी

एक्ट्रेस इस फिल्म में अपने करियर के सबसे डेयरिंग रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका और अल्लू के बीच के डायनामिक्स पुष्पा से बिलकुल अलग होंगे। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने पोर्टल को बताया कि एक्ट्रेस का लुक टेस्ट पूरा हो गया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सूत्रों ने कहा कि इस फिल्म के जरिए एटली अपनी खुद की एक अवतार जैसी फिल्म बनाना चाह रहे हैं जो दो अलग-अलग यूनिवर्स में सेट होगी। कई रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि इस फिल्म में जाह्नवी कपूर, मृणाल ठाकुल और समंथा भी नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक सिर्फ दीपिका के फिल्म में होने का अनाउंसमेंट वीडियो रिलीज किया गया है। बाकी किसी एक्ट्रेस के लिए अभी मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

बड़ी एक्ट्रेस संग पुजारी ने की ओछी हरकत

किया दर्दनाक खुलासा

मलयेशिया में जन्मी भारतीय मूल की एक्ट्रेस और टीवी होस्ट लिशालिनी कनारन ने एक चौंकाने वाला आरोप लगाया है. उन्होंने पुजारी पर आशीर्वाद देने के बहाने उनका यौन शोषण करने का आरोप लगाया है. यह मामला अब मलयेशियाई पुलिस के पास पहुंच चुका है और आरोपी पुजारी की तलाश जारी है. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने एक लंबा पोस्ट शेयर कर अपनी आपबीती शेयर की है. एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से आध्यात्मिकता को गहरा करने के लिए नियमित रूप से मंदिर जा रही थीं. उस दिन वह अकेली गई थीं क्योंकि उनकी मां भारत में थीं.

एक्ट्रेस के पोस्ट के मुताबिक, उन्होंने बताया कि कैसे पुजारी, जो आमतौर पर उन्हें अनुष्ठानों में मार्गदर्शन करते थे, प्रार्थना के दौरान उनके पास आया और उन्हें 'पवित्र जल और एक रक्षासूत्र देने की पेशकश की. उन्होंने बताया कि पूजा खत्म करने के बाद, पुजारी ने उनसे कहा कि वह एक घंटे तक इंतजार करें और फिर उन्हें अपने अलग ऑफिस में ले गए जहां उन्होंने विशेष आशीर्वाद देने का दावा किया. उन्होंने लिखा, 'जैसे ही मैं उनके पीछे गई, मुझे कुछ सही नहीं लगा. मेरे अंदर कुछ असहज था. 'पुजारी ने पानी में एक तीव्र गंध वाला लिक्विड डाला और दावा किया कि यह पवित्र है और 'साधारण लोगों' के लिए नहीं है. इसके बाद उस पानी को पुजारी एक्ट्रेस के चेहरे पर छिड़कना शुरू कर दिया. पुजारी ने कहा ये वो भारत से आया. पुजारी ने वो पानी इतना डाला कि एक्ट्रेस की आंखें जलने लगीं और वो उन्हें खोल भी नहीं पा रही थी. लिशालिनी ने खुलासा किया कि इसके बाद जो हुआ वह बेहद परेशान करने वाला था. फिर, बिना किसी चेतावनी के, उसने अपने हाथ मेरे ब्लाउज के अंदर, मेरी ब्रा में डाल दिए और मुझे गलत तरीके से छूना शुरू कर दिया. एक्ट्रेस ने कहा कि ऐसे विश्वासघात सबसे गहरा घाव देता है.

फिल्म रिलीज से पहले ही रणवीर सिंह का भौकाल

रणवीर सिंह 6 जुलाई को 40 साल के हो गए और ऐसा लगता है कि उन्होंने इस अपने जन्मदिन पर खुद को एक तोहफा दिया है। अपनी आगामी फिल्म धुरंधर के बहुचर्चित फर्स्ट लुक रिलीज होने के ठीक बाद अभिनेता ने कथित तौर पर खुद को एक लग्जरी इलेक्ट्रिक वाहन हमर ईवी 3X उपहार में दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार खरीदने के लिए 4.57 करोड़ रुपये (ऑन-रोड कीमत) खर्च किए। भारत में हमर ईवी 3X की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 3.85 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के मुंबई स्थित आवास पर इस विशाल ईवी की डिलीवरी होती दिखाई दे रही है, जिसे लेकर प्रशंसकों की ऑनलाइन प्रतिक्रियाएं उत्साहजनक हैं।

यह हाई-एंड इलेक्ट्रिक एसयूवी अपने दमदार डिजाइन, फ्यूचरिस्टिक फीचर्स और ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों ही जगहों पर शानदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। यह निश्चित रूप से रणवीर के पहले से ही शानदार गैराज में एक और बेहतरीन कार है और उनके 40वें जन्मदिन को यादगार बनाने का एक शानदार तरीका भी। पेशेवर मोर्चे पर रणवीर सिंह आदित्य धर द्वारा निर्देशित धुरंधर में दिखाई देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और सारा अर्जुन जैसे शानदार कलाकार भी हैं। फिल्म में अभिनेता के पहले लुक ने पहले ही प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। उनका गंभीर, रौबदार अवतार—जिसमें एक ग्रे-शेड वाला किरदार है—उनके सामान्य किरदारों से हटकर है और इसने ऑनलाइन काफी चर्चा बटोरी है। बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, गली बॉय और 83 जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाने वाले रणवीर बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद अभिनेताओं में से एक बने हुए हैं। उन्होंने 2018 में दीपिका पादुकोण के साथ शादी के बंधन में बंधे और सितंबर 2024 में इस जोड़े ने अपनी बेटी दुआ का स्वागत किया। धुरंधर के अलावा, रणवीर डॉन 3 पर भी काम कर रहे हैं, जो एक हाई-ऑक्टेन फ्रैंचाइज़ी फिल्म है जिसका प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की व्यूअरशिप में गिरावट

नेटफ्लिक्स के फेमस कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का तीसरा सीजन शुरू हो गया है। इस शो के पहले एपिसोड में सलमान खान, दूसरे एपिसोड में 'मेट्रो इन दिनों' की स्टारकास्ट और तीसरे एपिसोड में क्रिकेटर्स दिखाई दिए। लेकिन चाहकर भी ये लोग पहले जैसे मैजिक क्रिएट नहीं कर पाए। यही कारण है कि शो की व्यूअरशिप में गिरावट देखने को मिल रही है। शो के पहले एपिसोड में सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म 'सिकंदर' का प्रमोशन किया, जिसे 1.6 मिलियन व्यूज और 1.9 मिलियन व्यूइंग ऑवर्स मिले।

लेकिन सीजन 1 के पहले एपिसोड में जब रणबीर कपूर अपनी मम्मी नीतू कपूर के साथ आए थे तब उनके एपिसोड को 2.4 मिलियन व्यूज मिले थे। दूसरे एपिसोड की बात करें तो, इसकी व्यूअरशिप 2 मिलियन पर सीमित रही। तीसरे एपिसोड जिसमें भारतीय क्रिकेटर्स आए थे उसकी व्यूअरशिप गिरकर 1.2 तक पहुंच गई। व्यूअरशिप में गिरावट चिंता का विषय है, लेकिन फिर भी कपिल शर्मा का ये शो नेटफ्लिक्स के टॉप 10 नॉन-इंग्लिश शोज में बना हुआ है। सामने आए प्रोमो के मुताबिक, आने वाले एपिसोड्स में जयदीप अहलावत, विजय वर्मा, प्रतीक गांधी और जितेंद्र कुमार जैसे सितार आने वाले हैं। उम्मीद है कि इनके आने से शो की लोकप्रियता में फिर से इजाफा हो। बता दें, ये एपिसोड शनिवार के दिन रात आठ बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

बॉलीवुड की 1200 करोड़ी फिल्म देगी मार्वल और डिज्नी को टक्कर

बॉलीवुड इतिहास में अब तक की सबसे बड़े बजट की फिल्म भगवान राम को समर्पित है। फिल्म 'रामायण' का हाल ही में टीजर रिलीज कर दिया गया है। जिसे देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो रहे हैं। 1200 करोड़ रुपयों के बजट से बन रही इस फिल्म में दमदार वीएफएक्स भी देखने को मिले हैं। इन वीएफएक्स को देखकर फैन्स का मानना है कि ये फिल्म हॉलीवुड के सुपरहीरोज वाली फिल्मों को चुनौती देने वाली है। इतना ही नहीं लोगों को मानना है कि ये फिल्म बॉलीवुड की पहली ऐसी फिल्म होने वाली है जिसे देखकर मार्वल और डिज्नी जैसे ब्रांड्स की फिल्में भूल जाएंगे। फिल्म में धाकड़ कास्ट दिख रही है और पकी हुई कहानी भी दिखने वाली है। टीजर देखकर ही लोग इस फिल्म को दिल दे बैठे हैं। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण अगले साल दीपावली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सिनेमाई सितारों की एक लंबी फौज कास्ट की गई है। जिसमें हनुमान के रोल में सनी देओल दिखेंगे। रावण का रोल कन्नड़ सुपरस्टार यश करने वाले हैं। रवि दुबे ने लक्ष्मण का किरदार निभाया है। सीता के रोल में साई पल्लवि लोगों को दिल जीतने के लिए तैयार हैं। डायरेक्टर नीतेश तिवारी की इस फिल्म का लोगों को बेसब्री से इंतजार है।

इंतजार खत्म! आ गई 'पति, पत्नी और पंगा' की रिलीज डेट

कलर्स टीवी पर जल्द ही एक नया शो शुरू होने वाला है, जिसमें आपको पति-पत्नी के बीच का जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलेगा। हम बात कर रहे हैं कलर्स टीवी पर आने वाले रिएलिटी शो 'पति, पत्नी और पंगाः जोड़ियों का रियलिटी चेक' की। इस शो में टीवी के कई जाने माने और चर्चित जोड़ियां नजर आएंगी। शो को स्टैंडअप कॉमेडियन और बिग बॉस विनर मुनव्वर फारूकी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे होस्ट करेंगे। ऐसे में अब इस शो की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। आइए जानते हैं कब से ऑनएयर हो रहा है शो। कलर्स टीवी पर आने वाले रिएलिटी शो 'पति, पत्नी और पंगाः जोड़ियों का रियलिटी चेक' टीवी और बॉलीवुड की चर्चित जोड़ियां अपने रिश्ते की मजबूती और केमिस्ट्री को मजेदार टास्क और चुनौतियों के जरिए परखेंगी। ऐसे में अब इसकी रिलीज डेट आ चुकी है। 'लाफ्टर शेफ्स' के खत्म होने के साथ, वीकेंड एंटरटेनमेंट को एक नया रंग मिल रहा है। 'पति, पत्नी और पंगा' 2 अगस्त से शुरू हो रहा है। इस डेट के सामने आते ही फैंस के बीच इस शो को देखने को लेकर एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। 'पति, पत्नी और पंगाः जोड़ियों का रियलिटी चेक' में रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, हिना खान और रॉकी जायसवाल, स्वरा भास्कर और फहाद अहमद, गीता फोगाट और पवन कुमार, गुरमीत चौधरी और देबिना बोनर्जी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी जैसे सितारे नजर आएंगे।

अंगद बेदी से शादी के पहले ही प्रेग्नेंट हो गई थीं नेहा धूपिया

कहा- 'हम एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और...'

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। नेहा फिलहाल फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। नेहा प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। साल 2018 में नेहा ने लोगों को तब हैरान कर दिया था, जब उन्होंने अंगद बेदी संग गुपचुप शादी की। वहीं, अब एक हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस सोहा अली खान ने खुलासा किया कि यह उनके लिए भी एक झटका था, जबकि वह सालों से नेहा की खास दोस्त रहीं थीं। नेहा, भी इसी इंटरव्यू में सोहा के साथ मौजूद थीं। नेहा ने कहा कि शादी के पहले प्रेग्नेंट होने की वजह से जल्दी शादी कर ली। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बात करते हुए, नेहा ने बताया कि उन्होंने अपनी सबसे अच्छी दोस्तों में से एक सोहा अली खान को अपनी शादी में क्यों नहीं बुला पाईं। नेहा ने कहा, 'उस समय सब कुछ अस्त-व्यस्त था, मैं गर्भवती थी और...। लेकिन भले ही मैं सोहा को शादी में बुला नहीं कर पाईं, लेकिन मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में जानने वाले पहले लोगों में से एक थीं।'नेहा ने आगे कहा, 'सेहा को ही सबसे पहले पता चला कि हम गर्भवती हैं। और इसलिए भी क्योंकि मैं, सोहा और कुणाल खेमू एक रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे तभी मैं बेहोश हो गई थी। अगली सुबह, हम फिर मिले और तभी मैंने उन्हें बताया कि मैं प्रेग्नेंट हूं।'इंटरव्यू में नेहा ने बताया, 'जब मैं प्रेग्नेंट हुईं, तब अंगद और वह डेटिंग कर रहे थे, लेकिन उनका रिश्ता तब नया-नया था। ऐसे में उस वक्त, हमारे लिए अपने माता-पिता के बजाय अपने दोस्त के साथ ये बात शेयर करना ज्यादा आसान था, जिनके हाल ही में बच्चे हुए हैं।

गढ़िहादेव स्थल पर कब्जे का खेल : राजा-महाराजाओं के समय से पूजित देवस्थान आज अतिक्रमण की गिरफ्त में, आस्था का मार्ग बंद, प्रशासन मौन

छुरा (गंगा प्रकाश)। गरियाबंद जिले के छुरा नगर से महज कुछ किलोमीटर दूर तिलैदादार मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक गढ़िहादेव स्थल आज अपनी पहचान और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। राजा-महाराजाओं के जमाने से पूजे जाने वाला यह स्थल वन परिक्षेत्र पांडुका के तिलैदादार बिट कक्ष क्रमांक पी-101 में आता है, परंतु पिछले दस वर्षों से यहां अतिक्रमण का खेल जारी है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम खरखरा पंडरीपानी के कुछ प्रभावशाली लोगों ने इस वनभूमि पर कब्जा कर कच्चे-पक्के मकानों और झोपड़ियों , खेतीबाड़ी की लंबी कतारें खड़ी कर दी हैं। शुरू में कुछ लोगों ने झोपड़ियां बनाई, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकाने, और अन्य निर्माण खड़े हो गए। आज स्थिति यह है कि गढ़िहादेव स्थल तक जाने का मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है।

छुरा नगर ग्राम समिति ने खोला मोर्चा

सोमवार को छुरा नगर की ग्राम समिति के सदस्यों का सब्र जवाब दे गया। दर्जनों लोग गढ़िहादेव मार्ग पर पहुंचे और छोटे-बड़े झाड़ियों की कटाई कर रास्ता साफकरने लगे। ग्रामीणों ने कहा ङ्क गढ़िहादेव हमारे कुलदेवता हैं। पीढ़ियों से यहां पूजा होती आ रही है। अगर रास्ता ही बंद कर दोगे तो पूजा कैसे होगी ?

मौके पर गरमा-गरम बहस

जब छुरा समिति के लोग झाड़ियां काट रहे थे, तभी खरखरा ग्राम समिति के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया। छुरा समिति ने स्पष्ट कहा कि यह

आस्था का मामला है और रास्ता किसी भी हाल में रोका नहीं जा सकता।

चर्चा के बाद खरखरा ग्राम समिति ने दो दिन का समय मांगा। उनका कहना था कि वे अपने ग्रामसभा में प्रस्ताव रखेंगे और फिर अतिक्रमण हटाने के लिए पूरा सहयोग करेंगे। मौके पर मौजूद लोगों ने भी इस सहमति को स्वीकार कर लिया, ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने।

बीजगार्ग पदाधिकारी भी रहे मौजूद, प्रशासन गायब

घटना के दौरान बीजगार्ग के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, लेकिन वन विभाग और स्थानीय प्रशासन का एक भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। यही वजह है कि ग्रामीणों के भीतर नाराजगी साफ नजर आई।

'दस साल से कब्जा, कोई रोकने वाला नहीं!'

ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले दस वर्षों से कब्जा बढ़ता गया लेकिन प्रशासन ने कभी गंभीरता नहीं दिखाई। आज वहां सैकड़ों परिवार बस चुके हैं। लाखों का कारोबार, संपत्ति खरीद-बिक्री, बिजली कनेक्शन, सब कुछ हो रहा है। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि ङ्कयदि भूमि वन विभाग की है तो बसाहट कैसे हो गई ?यदि पट्टा दिया गया है तो किस प्रक्रिया से और किसके आदेश पर ?अगर नहीं दिया गया तो फिर वन विभाग की आंखों पर पट्टी क्यों बंधी रही ?

गढ़िहादेव का ऐतिहासिक महत्व

गढ़िहादेव स्थल को राजा-महाराजाओं के समय से ग्राम देवता का दर्जा प्राप्त है। यहां हर साल पूजा-पाठ, गोठान, दान-पुण्य और अनेक पारंपरिक कर्मकांड होते आए हैं। बुजुर्गों का कहना है कि यह आस्था का ऐसा केन्द्र है, जहां बिना पूजा किये कोई भी बड़ा आयोजन सम्पन्न नहीं माना जाता।

'आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं' ङ्क ग्रामीणों की चेतावनी

छुरा नगर समिति ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिन के भीतर रास्ता बहाल नहीं किया गया तो ग्रामसभा बुलाकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उनका कहना है कि- हम वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर ही रहेंगे। अगर आज चुप रहे तो कल हमारे बच्चों को अपने देवता के दर्शन भी नसीब नहीं होंगे।

प्रशासन की चुप्पी पर गंभीर सवाल

सवाल यह है कि क्या वन विभाग को इस अतिक्रमण की खबर नहीं थी ? यदि थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई ? क्या गांवों में भूमिहीन लोगों के नाम पर हो रहे कब्जे में राजनीतिक संरक्षण भी शामिल है ? या फिर इसमें बड़ी जमीन दलाली का खेल चल रहा है ?

ग्रामीणों की मांग

1. गढ़िहादेव स्थल तक आवागमन का मार्ग तत्काल बहाल किया जाए।
2. अतिक्रमण की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।
3. यदि कब्जाधारियों को पट्टा जारी हुआ है तो उसकी प्रति दिखाई जाए।
4. वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की तिथि घोषित की जाए।

फिलहालज

दो दिन के भीतर ग्रामसभा की बैठक और कब्जा हटाने पर सहमति बनी है। अब देखना होगा कि क्या खरखरा ग्राम समिति अपने वादे पर कायम रहती है, या यह मामला भी प्रशासन की फाइलों में दबकर रह जाएगा।

विरोध के बावजूद बारूद प्लांट के लिए जमीन का हुआ डायवर्सन , भूमि पूजन करने आए कंपनी के लोग ग्रामीणों का विरोध देख बैरंग लौटे

प्रशासन की तानाशाही या जनविरोध की अनदेखी? आदिवासी आवाज़ फिर दबाने की कोशिश, सांसद की खामोशी पर सवाल।

रायगढ़/घरघोड़ा (गंगा प्रकाश)। आदिवासियों की ज़मीन पर जबरन कंपनी का कब्जा शासन-प्रशासन की मिलीभगत और सांसद की चुप्पी आज इस बात की गवाही दे रही है कि आदिवासियों की ज़िंदगी और ज़मीन, सत्ता के सौदागरों के लिए बस एक सौदा भर है। ब्लैक डायमंड कंपनी द्वारा आदिवासी बहुल ग्राम डोकरबुड़ा, राबो, गतगांव और हर्राडीह की ज़मीन पर कब्जा करने की कोशिशों के खिलाफलंबे समय से ग्रामीणों का विरोध जारी है। इसके बावजूद प्रशासन ने जंगल की ज़मीन का डायवर्सन करके यह जता दिया कि उसे न तो संवैधानिक अधिकारों की परवाह है, न ही जनभावनाओं की। आज जब कंपनी भूमि पूजन कर काम शुरू करने वाली थी, तब गांव की महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया, और इसी जनआक्रोश के चलते कंपनी को कार्यक्रम रद्द कर बैरंग लौटना पड़ा। यह सिर्फ विरोध नहीं, सत्ता के अत्याचार के खिलाफ जनसंघर्ष का ऐलान है। गंभीर सवाल यह है कि यह सब कुछ रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र में हो रहा है, जहां से सांसद राधेश्याम राठिया निर्वाचित हैं। मगर उनके सांसद के गृहग्राम करीब जब आदिवासियों की ज़मीन पर हमला हो रहा है, तब सांसद की चुप्पी सवालों के घेरे में है। क्या यह चुप्पी मौन समर्थन नहीं है? जनप्रतिनिधियों का यह रवैया साबित करता है कि वे अब जनसेवक नहीं, कॉर्पोरेट एजेंट बन बैठे हैं। आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने की बजाय उनके विरोध को नजरअंदाज किया जा रहा है। यह समय है जब जनता को यह समझना होगा कि संविधान में दिए गए हक सिर्फ कागज़ पर हैं और ज़मीन पर सत्ता के हाथों कुचले जा रहे हैं। अगर अब भी लोग नहीं जागे, तो अगली पीढ़ी को विरासत में सिर्फ खनन गड्ढे और उजड़े जंगल ही मिलेंगे। ग्रामीण आदिवासियों का कहना है कि यह विरोध एक जंग है हक, अस्तित्व और आत्मसम्मान की।

छुरा में गूंजा स्वच्छता का संकल्प 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान 2025' से मचा जागरूकता का धमाका

छुरा (गंगा प्रकाश)। देश तभी स्वस्थ रहेगा जब हर गली, मोहल्ला और गांव स्वच्छ रहेगा। इसी सोच के साथ सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान 2025 का शंखनाद शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छुरा में हुआ। विद्यालय परिसर सोमवार को स्वच्छता, संकल्प और सामाजिक चेतना के उद्घोष से गूंज उठा। कार्यक्रम का आयोजन जन-जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था। इस अभियान का नेतृत्व कर रहे मिथलेश सिन्हा ने कहा,- गंदगी सिर्फ हमारे आस-पास नहीं, बल्कि हमारी सोच में भी घर कर लेती है। स्वच्छता को अपनाकर हम न सिर्फ खुद को, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं। इस अभियान का उद्देश्य ही यही है कि लोग समझें ङ्क गंदगी फैलाना बीमारी को न्योता देना है। उन्होंने उपस्थित छात्राओं, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। शपथ में यह प्रतिज्ञा ली गई कि सभी अपने घर, विद्यालय और मोहल्ले को स्वच्छ रखेंगे, कचरा कूड़ेदान में डालेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंह निषाद ने कहा, - गंदगी से मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियां तेजी से फैलती हैं। घर, गली, मोहल्ला और पूरा शहर साफ रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कूड़ा-कचरा उचित स्थान पर डालना और उसका निस्तारण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने खास तौर पर बच्चों से अपील की कि वे व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करें ङ्क हाथ धोना, साफ पानी पीना, शौचालय का उपयोग करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि खुले में शौच की आदत को पूरी तरह समाप्त करना होगा, क्योंकि यही कई बीमारियों की जड़ है। कार्यक्रम में समाजसेवी शीतल ध्रुव ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा, - आज से ही प्रण लें कि न हम कचरा फैलाएंगे और न किसी को फैलाने देंगे। बच्चों की आदतें ही कल समाज का चरित्र बनाएंगी। प्रमुख उद्देश्य और संदेश अभियान के तहत निम्न संदेशों को प्राथमिकता दी गई - घर, विद्यालय और मोहल्ले को साफ रखें।कूड़ा कचरा खुले में न फेंकें, कूड़ेदान का उपयोग करें।पानी जमा न होने दें, ताकि मच्छर न पनपें।नियमित हाथ धोने की आदत डालें।साफ-सुथरा और ढककर रखा भोजन खाएं।कूड़े के डिब्बे को हमेशा ढककर रखें।छोटे बच्चों को भी स्वच्छता के नियम सिखाएं।खुले में शौच को हमेशा के लिए अलविदा कहें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा स्वच्छता गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने स्वच्छता को आदत और संस्कार बनाने का संदेश दिया। विद्यालय परिसर की सफाई कर बच्चों ने स्वच्छता का वास्तविक अभ्यास भी किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कृष्णकुमार साहू ने किया, जिन्होंने बच्चों को स्वच्छता के वैज्ञानिक और व्यवहारिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर सभापति रजनी लहरे, गरिमा ध्रुव, बलराज पटेल, पार्षद दीप्ति यादव, पी आई यू विष्णु निर्मकलर, समिति सदस्य नारायण पटेल, निखिल साहू, चंद्रवती सिन्हा, सीमा सिंह, रेखा प्रधान, नेहा जायसवाल, मधुबाला साहू, वंदना देवांगन, चंद्रप्रभा सेन, युवराज कंवर, मोहन ध्रुव, हुमेश्वरी ठाकुर, नागेंद्र देवांगन, लोकेंद्र, उत्तम, नरोत्तम, पूनम, भुखन, संतोष सोरी समेत बड़ी संख्या में छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे। सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर की सफाई कर यह संदेश दिया कि अभियान सिर्फ भाषणों तक सीमित न रहे, बल्कि हर घर और दिल तक पहुंचे। कार्यक्रम के अंत में मिथलेश सिन्हा ने कहा, - यह अभियान तभी सफल होगा जब लोग इसे सरकारी कार्यक्रम न समझकर अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। हमारा हर कदम आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य की बुनियाद रखता है।

आदिवासी समाज के मुद्दों पर नई दिल्ली में अहम मुलाकात, अंबिका मरकाम ने राहुल गांधी से की चर्चा

धमतरी (गंगा प्रकाश)। सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विधायक अंबिका मरकाम ने आज नई दिल्ली में आयोजित न्याय योजना कार्यक्रम के अवसर पर देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

बैठक के दौरान आदिवासी समाज के उत्थान, अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भूमि अधिकार एवं सांस्कृतिक संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। अंबिका मरकाम ने राहुल गांधी को इन सभी विषयों पर विस्तार से सुझाव और आंकड़े प्रस्तुत किए। इस महत्वपूर्ण चर्चा में अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

के अध्यक्ष दीपक बैज, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष फूलो देवी नेताम, सहित राज्य के कई आदिवासी विधायक, पूर्व विधायक एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। राहुल गांधी ने अंबिका मरकाम एवं प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से आदिवासी समाज के अधिकारों एवं उनके समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी ठोस कदम उठाए जाएंगे।

गंगा प्रकाश
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

छत्तीसगढ़ में तेजी से बढता हुआ अखबार ...गंगा प्रकाश

को छत्तीसगढ़ के समस्त जिला एवं ब्लाक में विज्ञापन एवं समाचार संकलन हेतु विज्ञापन संकलनकर्ता एवं रिपोर्टरो की आवश्यकता है।

पत्रकारिता के क्षेत्रमें इच्छुक व्यक्ति जल्द संपर्क करें।

संपर्क सुत्र :- 8878098815 9770269285

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक प्रकाश कुमार यादव द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व मकान नंबर-451, वार्ड नंबर-12, झुलेलाल पारा, छुरा (नगर पंचायत), जिला-गरियाबंद (छ.ग.)-493996 से प्रकाशित। *संपादक प्रकाश कुमार यादव मो. 9589154969, प्रबंध संपादक रज्जू बंजारे मो.- 9770269285 (* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र गरियाबंद होगा।